सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 144 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 08 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

कॉलोनी का मेंटनेंस चार्ज नहीं दिया तो होगी कार्रवाई, रेरा ने जारी किए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने कॉलोनी और फ्लैट्स के हस्तांतरण और मेंटनेंस चार्ज से जुड़े नियमों का स्पष्टीकरण जारी किया है। इसके तहत किसी भी कॉलोनी या फ्लैट के निर्माण के बाद उसे एक पंजीकृत सोसाइटी को हस्तांतरित किया जाता है, जो उसके रखरखाव और सुविधाओं के लिए जिम्मेदार होती है।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक आवंटित व्यक्ति (आबंटिती) के लिए निर्धारित मेंटनेंस चार्ज का भुगतान करना अनिवार्य है। यदि कोई आवंटित व्यक्ति इसका भुगतान नहीं करता, तो संबंधित सोसाइटी इस मामले को रेरा के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है। ऐसे मामलों में बकाया राशि पर ब्याज सहित भुगतान करना होगा। इसके अलावा, यदि कोई आवंटित व्यक्ति अपने एलॉटमेंट डीड में निर्धारित मेंटनेंस चार्ज या अन्य शर्तों का उल्लंघन करता है, तो इससे जुड़े विवादों की सुनवाई का अधिकार रेरा को होगा। हालांकि, मेंटनेंस चार्ज की दरों में बदलाव से संबंधित मामलों की सुनवाई सहकारिता अधिनियम के तहत की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में बदल रहा मौसम का मिजाज, लगातार बढ़ रहा दिन का पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम में बदलाव का दौर जारी है। रात और सुबह के समय ठंड, तो दिन भर गर्मी लग रही है। नमी हवाओं की वजह से प्रदेश कई शहरों में गुलाबी ठंड है। हालांकि बीते दिनों की तुलना में अब गर्मी शुरू होगी। न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। आज शनिवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। वहीं शुक्रवार को प्रदेश में सबसे गर्म जनांदगांव रहा है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अब प्रदेश में तापमान में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। दूसरी ओर सरगुजा संभाग में बीते दिनों की तुलना में ठंड बढ़ गई है। पहाड़ों से आ रही नमी हवाओं की वजह से क्षेत्र में ठंड बढ़ने लगी है, लेकिन अब रात का पारा बढ़ने ठंड गायब हो जाएगी। वहीं मैदानी इलाकों में तापमान सामान्य है। नमी हवाओं की वजह से आउटर, रात और सुबह के समय ठंडी लग रही है। शनिवार को नमी की मात्रा 31 प्रतिशत बताया जा रहा है। इसके वजह से प्रदेश में गुलाबी ठंड है। हालांकि अब दिन और रात का पारा बढ़ने से ठंड गायब हो जाएगी, फिर गर्मी का दौर शुरू होगा। प्रदेश में अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री तक बढ़ोतरी होगी।

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन के रिनोवेशन कार्य में लापरवाही, डीसीएम ने ठेकेदार को लगाई फटकार

अमृत भारत योजना के तहत हो रहा स्टेशन के रिनोवेशन का काम

श्रीकंचनपथ

भिलाई। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इन दिनों छत्तीसगढ़ के प्रमुख रेलवे स्टेशनों का रिनोवेशन किया जा रहा है। इसके तहत भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन का रिनोवेशन भी हो रहा है। शनिवार को भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन के वीआईपी लॉन्ज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों के सम्मान का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद व सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी विशेष रूप से पहुंचे। कार्यक्रम के बाद सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार ने रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया। इस दौरान कार्य में लापरवाही पाए जाने पर ठेकेदार को फटकार भी लगाई है।

दरअसल पावर हाउस रेलवे स्टेशन में रिनोवेशन तो हो रहा है लेकिन पानी निकासी की ठीक नहीं किया जा रहा है। इसके कारण जगह जगह गंदा पानी जमा हो रहा है। स्टेशन परिसर के व्यापारियों ने सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार के सामने इस समस्या को रखा गया। इसके बाद उन्होंने निरीक्षण किया और खामी पाए जाने पर ठेकेदार को बुलाकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि रिनोवेशन का कार्य गुणवत्ता पूर्वक होना चाहिए और किसी भी तरह से यात्रियों को समस्या नहीं होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और ठेका एजेंसी को तय समय में कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

महिला कर्मचारियों का सम्मान

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में डीआरएम दयानंद ने यहां की महिला कर्मचारियों का सम्मान किया। भिलाई पावर हाउस में पदस्थ सभी महिला टीटी, काउंटर कर्मी व अन्य महिला कर्मचारियों का सम्मान किया गया। इस दौरान डीआरएम दयानंद ने कहा कि किसी भी कार्य में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। रेलवे में भी हर क्षेत्र में महिला कर्मचारियों ने बागडोर संभाल रखी है। उन्होंने इस दौरान सभी महिला कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

ठेला टप्पर वालों को दी चेतावनी

पावर हाउस रेलवे स्टेशन के मेन इंट्रेस पर कई लोग अवैध रूप से ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सीनियर डीसीएम अवदेश कुमार के निर्देश पर आरपीएफ इंचार्ज द्वारा इन्हे चेतावनी दी गई। उन्होंने ठेला टप्पर वालों को रेलवे स्टेशन की परीधी से बाहर जाने कहा। स्टेशन परिसर में अवैध रूप से ठेला लगाने पर आगे कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। इसके अलावा स्टेशन परिसर में पार्किंग को भी सुचारू करने कहा गया। वाहनों के निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क करने का निर्देश दिया गया।

रायपुर रेलवे स्टेशन में लगा वाटर वेंडिंग मशीन, किफायती दर पर मिलेगा पानी

रायपुर। गर्मी में यात्रियों को साफ व शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने रेलवे स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन लगाए जा रहे हैं। रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्लेटफॉर्मों पर पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रायपुर रेल मंडल पर रेल प्रशासन के द्वारा यात्रियों के लिए स्टेशनों में यात्रियों को कम कीमत पर पीने का शीतल पानी उपलब्ध कराने रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं 02 पर 07 मार्च को वाटर वेंडिंग मशीन (ड्ढङ्करू) सुविधा का शुभारंभ किया गया । वाटर वेंडिंग मशीन से मिलने वाली पानी की कीमत स्टेशन पर मिलने वाली अन्य मिनरल वाटर की कीमत से काफी कम है।

वाटर वेंडिंग मशीन के माध्यम से यात्रियों को फिल्टर्ड और स्वच्छ पानी मात्र ?03 प्रति 300 मिलीलीटर की दर से उपलब्ध है । इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए 500 मिलीलीटर, 1 लीटर 2 लीटर और 05 लीटर की मात्रा में भी पानी किफायती दरों पर उपलब्ध कराया गया है। यात्रियों के पास स्वयं की बोतल लाने का विकल्प भी है, जिससे प्लास्टिक कचरे में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। यात्रियों

के सुविधाओं हेतु रायपुर स्टेशन में 6 एवं दुर्ग स्टेशन में 05 वॉटर वेंडिंग मशीन लगाई जाएगी।

सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी के प्रयास से यह पहल रेलवे के पर्यावरण अनुकूल और यात्री केंद्रित सेवाओं को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई है । वाटर वेंडिंग मशीनें स्वचालित रूप से कार्य करती हैं जिससे यात्रियों को त्वरित और आसान सेवा प्राप्त होगी । इसकी उपलब्धता से यात्रीगण अब सफर के दौरान उचित मूल्य पर स्वच्छ पेयजल का आनंद ले सकेंगे।

अहमदाबाद में राहुल गांधी के तेवर : कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं, कई बब्बर शेर, लेकिन बंधे हुए

अहमदाबाद ए.। राहुल गांधी ने आज अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों लगे पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित किया। राहुल ने कई चौंकाने वाली टिप्पणियां कीं और अपनी ही पार्टी को आईना दिखाया। राहुल गांधी ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को 20-30 लोगों को निकालना भी पड़े तो इसमें किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहि। कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कई बब्बर शेर हैं। लेकिन पार्टी में दो गुट हैं। एक जनता के साथ है, जबकि दूसरा जनता से दूर है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए राहुल ने कहा, 'उन्हें ये बात

स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता दिशा दिखाने में असफल रहे'। इससे पहले राहुल ने अहमदाबाद के 'कार्यकर्ता सम्मेलन' में महिला कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। राहुल ने कहा कि 'कल वरिष्ठ नेताओं, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों से मुलाकात की। बकौल राहुल गांधी, 'मेरा लक्ष्य था- आपके दिल की बातें जानना और समझना था। इस बातचीत में संगठन, गुजरात की राजनीति और यहां की सरकार के कामकाज से जुड़ी बहुत सी बातें सामने आईं।

गुजरात कांग्रेस में गुटबाजी

राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस के संगठनों में कई तरह का विभाजन है। उन्होंने कहा कि 'एक जनता की इज्जत करता है, जनता के मुद्दों के लिए आवाज उठाता है, उसके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है।

गुजरात में बोले पीएम नरेन्द्र मोदी : नारी सम्मान विकसित भारत की पहली सीढ़ी

लखपति दीदियों को बांटे 450 करोड़

नवसारी ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के नवसारी में लखपति दीदियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वानसी बोरसी गांव में 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की। संवाद के बाद पीएम मोदी ने रोड शो भी किया। नवसारी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। माताओं-बहनों का आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है, मेरी पूंजी है और मेरा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। नारी का सम्मान विकसित भारत की पहली सीढ़ी है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है।' प्रधानमंत्री ने कहा

'मुस्लिम महिलाओं की मांग थी कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो मुस्लिम महिला (शादी में सुरक्षा का अधिकार) कानून, 2019 के तहत उनकी जिंदगी को बर्बाद होने से बचाया गया। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था तो वहां महिलाओं को कई अधिकारों से वंचित रखा गया था। अगर वे राज्य से बाहर शादी करतीं तो उन्हें संपत्ति में अधिकार नहीं मिलता था।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'महिलाओं को शौचालय (इज्जत घर) देकर हमने उन्हें सम्मान दिया। महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उनका सशक्तिकरण किया गया। उज्जवल योजना से उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया गया। पहले महिलाओं को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने उसे बढ़ाकर 26 हफ्ते किया।'

2014 के बाद से तीन करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बनीं

पीएम मोदी ने कहा कि 'हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस, देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है। 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं। आज पूरी दुनिया में जल जीवन मिशन की भी बड़ी चर्चा है। जल जीवन मिशन के जरिए आज देश के गांव-गांव में पानी पहुंच रहा है। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है।

सीएम साय ने पूर्व सांसद दिलीप सिंह जूदेव की जयंती पर उन्हें किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत भी उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी न केवल प्रखर राष्ट्रवादी थे, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान के दृढ़ रक्षक भी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धर्म, संस्कृति और समाज सेवा के लिए समर्पित किया। उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ 'घर वापसी' अभियान एक ऐतिहासिक सामाजिक आंदोलन बना, जिसने हजारों लोगों को उनकी मूल सनातन परंपरा से पुन: जोड़ने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री जूदेव जी जल, जंगल, जमीन और जनजातीय अस्मिता के सशक्त प्रहरी थे। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में आदिवासी समाज को उनका गौरव और पहचान लौटाने के लिए उन्होंने अनवरत संघर्ष किया। उनके प्रयासों से समाज में राष्ट्रवादी चेतना का प्रसार हुआ और छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से और अधिक जुड़ने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विचारधारा के प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन में राष्ट्रवादी मूल्यों को आत्मसात कर समाजहित में कार्य किया। उनकी

दृढ़ता, निडरता और ओजस्वी नेतृत्व आज भी हम सभी को प्रेरित करता है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

महिला अधिकार : महाभारत से मनुस्मृति तक

श्रीकंचनपथ

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। पाषाणकाल में जब समाज और परिवार का बोध ज्यादा विकसित नहीं हुआ था, तब संभवत: स्त्री और पुरुष के पास बराबर के अधिकार थे। 11वीं शताब्दी के कई भित्ती चित्रों में इस बात के सबूत मिलते हैं कि महिलाएं भी शिकार के लिए जाती थीं, तब भी जब वे गर्भवती होती थीं। इतिहासकारों का मानना है कि शिकार के दौरान किसी वयस्क मादा के मारे जाने पर यदि उसके बच्चे होते थे तो उन्हें महिलाएं ही अपने साथ लेकर आस्ताने पर लौटती थीं। यहीं से पशुपालन की शुरुआत हुई। मवेशियों का दूध प्राप्त करने और पीने की शुरुआत भी संभवत: यहीं से हुई। आगे चलकर इनमें से कुछ पशु पालतू हो गए। भोजन संग्रह और भण्डारण की शुरुआत भी शायद महिलाओं ने ही की। जब परिवार विकसित हुए तो महिलाएं ही इसकी धुरी बन गईं। महिलाओं की भूमिका बढ़ती गई तो उन्हें शक्ति या देवी के रूप में पूजे जाने का भी चलन हो गया। पर इसके साथ ही शुरू हो गया श्रेष्ठ महिलाओं पर अधिकार का द्वंद्व। पुरुष वांछित महिलाओं पर अधिकार के लिए लड़ने लगे। इसके बाद महिलाओं पर नियंत्रण की लड़ाई शुरू हो गई। कहीं उसके घर से निकलने पर रोक लगाई गई तो कहीं उसके पति को उसे पीटने का अधिकार मिल गया। मध्यकालीन यूरोप में पति को अपनी पत्नी को मृत्युदंड देने का भी अधिकार था। इस दौर में रूस में पिता अपनी पुत्री को बेंत से पीटकर दामाद को सौंपता था और फिर वही बेंत उसके पति को दे देता था। बेंत शासन का प्रतीक था। पर भारत में स्थिति भिन्न थी। यहां पौराणिक गाथाओं में प्रेम विवाह का जिक्र मिलता है। महिला स्वयंवर का भी जिक्र मिलता है। महाभारत के अनुसार पुरुष यदि क्रोध में भी हो तो भी उसे अपनी पत्नी से कठोर व्यवहार नहीं करना चाहिए। पर मनुस्मृति इसके उलट चल रहा था। मनुस्मृति का उपदेश है कि पति भले ही मूर्ख हो, वासना का दास हो, ढंग से बात भी न कर सकता हो, तब भी पत्नी का कर्त्तव्य है कि वह उसे भगवान की तरह पूजे। यहीं से समाज में महिलाओं की स्थिति कमजोर होने लगी। पहले मुगल और फिर ब्रिटिश शासन में महिलाओं के अधिकार कम होते चले गए। औद्योगीकरण ने गति पकड़ी तो सस्ते श्रम के लिए महिलाओं को कारखानों में भर्ती किया जाने लगा। महिलाएं इकट्ठा होने लगीं तो अपने बारे में सामूहिक रूप से सोचने और निर्णय लेने लगीं। 1917 के रूस में जुलियन कैलेंडर चलता था। इस कैलेंडर के मुताबिक 23 फरवरी 1917 के आखिरी रविवार को महिलाओं ने रोटी और कपड़े के लिये हड़ताल किया। इसके बाद ज़ार ने सत्ता छोड़ी, महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। ग्रेगेरियन कैलेंडर के मुताबिक ये दिन था 8 मार्च। 1921 से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाने लगा।

संपादकीय

स्वास्थ्यकर भोजन व सक्रिय जीवन को दें बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक सार्वजनिक अभियान शुरू किया, जिसमें 10 सार्वजनिक हस्तियों को अपने भोजन में 10 प्रतिशत तेल कम करने की चुनौती दी और उनसे आगे अन्य 10 लोगों को इस चुनौती से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे मोटापे से लड़ने में काफी मदद मिलेगी। एनसीडी और तेल की खपत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री का यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेश महत्वपूर्ण है, लेकिन यह पूरी कहानी का केवल एक हिस्सा भर है। दरअसल, बड़ी वजह है वसा का अत्यधिक सेवन, मुख्य रूप से ट्रांस फैटी एसिड या ट्रांस फैट, जो एनसीडी शृंखला का जोखिम बढ़ाने के बड़े कारकों में से एक है। ट्रांस फैट स्रोतों में डेयरी उत्पाद, घी, मांस और वनस्पति हैं। अन्य किस्म की वसा का अधिक सेवन भी हानिकारक है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा जारी आहार दिशानिर्देशों के अनुसार, नारियल तेल, घी और पामोलीन तेल में संतृप्त वसा का अनुपात सबसे अधिक है। प्रधानमंत्री द्वारा सुझाया गया विचार—खाना पकाते या उसकी सजावट करते समय उपयोग किए जाने वाले तेल की खपत को कम करना- केवल आधा कदम है। हम प्रसंस्कृत भोजन पदार्थ, फास्ट फूड, तले स्नैक्स, कुकीज इत्यादि के जरिए ट्रांस फैट ग्रहण करते हैं। अन्य कारकों में, भोज्य पदार्थों में मौजूद संतृप्त और असंतृप्त वसा का स्रोत भी कम या ज्यादा मात्रा में होता है। जन स्वास्थ्य के हित में, न केवल तेल बल्कि देसी एवं वनस्पति घी के साथ-साथ पैकेटबंद अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और डेयरी उत्पादों के सेवन में कटौती करना आवश्यक है। मोटापे के विरुद्ध अभियान में अस्वास्थ्यकारी आहार और आरामपरस्त जीवनशैली के त्याग को भी शामिल किया जाए।

"अपने हालिया 'मन की बात' प्रसारण में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती पर प्रकाश डाला—अधिक वजन या मोटापा। यह मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसे गैर-संक्रामक रोगों का जोखिम बढ़ाने के मुख्य कारकों में से एक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोटापे की चुनौती का समाधान खाद्य तेल की खपत को कम करने जैसे छोटे प्रयासों से किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'आपको यह निर्णय लेना चाहिए कि आप हर महीने 10 प्रतिशत कम तेल का उपयोग करेंगेज यह मोटापा कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।' उन्होंने आगे कहा कि भोजन में कम तेल-घी का उपयोग करना और मोटापे से निजात न केवल व्यक्तिगत चुनाव है, बल्कि परिवार के प्रति व्यक्ति की जिम्मेदारी भी है।

स्वेच्छा से खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती करने के लिए कहकर, प्रधानमंत्री ने मोटापे और असंक्रामक महामारी से निपटने का जिम्मा लोगों पर डाल दिया है। यह दशकों से अर्जित उस जन स्वास्थ्य ज्ञान के विरुद्ध है, जो कहता है कि स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को अपनाना व्यक्तिगत और सामाजिक, दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है। सरकार का यह कर्तव्य है कि वह ऐसी नीतियों के जरिए वातावरण बनाए, जो लोगों को कम वसा वाले स्वस्थ आहार का सेवन करने में सक्षम और प्रोत्साहित करें। यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि जब सारा माहौल ही मोटापे को बढ़ावा देने वाला हो, जिसे वैज्ञानिक मोटापे को बढ़ावा देने वाला वातावरण कहते हैं- वहां कोई स्वस्थ आहार और स्वस्थ जीवनशैली कैसे अपना सकेगा। यह प्रयोजन सार्वजनिक नीतियों द्वारा आकार पाता है, वरना समुदायों को स्वस्थ विकल्प प्रदान नहीं करता।

हमें व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ मोटापा और एनसीडी से निपटने के लिए जनसंख्या-व्यापी और बहुक्षेत्रीय नीतिगत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भारत खाद्य तेल आपूर्ति के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, और सार्वजनिक नीतियां पाम ऑयल के आयात को प्रोत्साहित करने वाली हैं। कुल आयातित खाद्य तेलों में पाम ऑयल का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत है। पाम ऑयल प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग का मनपसंद माध्यम है, हालांकि अनेक अध्ययनों ने इसके सेवन को हृदय रोग के बढ़ते जोखिम से जोड़ा है। खाद्य तेलों के उत्पादन और आयात को नियंत्रित करने वाली सार्वजनिक नीतियों को इस तरह से बनाया जाए कि वे लोगों को कम हानिकारक खाद्य तेलों का विकल्प प्रदान करें। पिछले कुछ दशकों में, भारत में बढ़ती आय, शहरीकरण और खाद्य उत्पादों के बढ़ते वैश्वीकरण के साथ खान-पान संबंधी आदतें बदल गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप नमक, चीनी और वसा से भरपूर अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ लोकप्रिय हो गए हैं। इन उत्पादों ने खाद्य पारिस्थितिकी को बदल दिया है। जंक फूड अब हर जगह उपलब्ध हैङ्क पास-पड़ोस, मोहल्ले, स्कूल कैंटीन, कार्यालय, अस्पताल, सिनेमा हॉल, झुग्गी-झोपड़ियां, गांव तक में। इस बदलाव में नीतियों का योगदान बहुत बड़ा है।

जारी है अपने हिस्से के आकाश की तलाश

निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नज़रिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफर तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फ़ीसदी तक वृद्धि हो सकती है।

दीपिका अरोड़ा

आत्मनिर्भरता अपने आप में एक महत्वपूर्ण गुण है, जो मनुष्य को स्वावलंबी बनाने के साथ मानसिक तौर भी सशक्त होने का अहसास दिलाता है। महिलाओं के दृष्टिकोण से विचारें तो वित्तीय संयोजन से अभिप्राय मात्र अपने पैरों पर खड़े होने तक सीमित न होकर आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वतंत्रता, सुरक्षा और शक्ति के बारे में है, जो उनके व्यक्तिगत जीवन से लेकर समुदायों, समाज तथा भावी पीढ़ियों तक को बदल सकता है।

यूं भी महिलाओं का घर की चारदीवारी में सिर्फ़ चूल्हेङ्कचौके तक सीमित रहना बीते युगों की बात हो चुकी है। आधुनिक नारी घर-परिवार संभालने के साथ पारिवारिक आमदनी बढ़ाने में भी पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। विविध क्षेत्रों से संबद्ध निजी व सरकारी संस्थाओं में सेवाएं देने के साथ आज ऐसी महिलाओं की भी कमी नहीं, जो नौकरी करने की अपेक्षा स्वरोज़गार सृजित करने की आकांक्षी हैं। ये महिलाएं बड़े शहरों की उच्च डिग्रीधारक न होकर किसी छोटे से गांव या कस्बे से संबंधित हो सकती हैं, जिनके मन में कुछ अलग कर दिखाने का जज़्बा भरा है।

आत्मनिर्भरता के स्तर पर नारी सशक्तीकरण को प्रमाणित करती है नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच, ट्रांस यूनियन सिबिल तथा माइक्रोसेव कंसल्टिंग द्वारा संयुक्त रूपेण तैयार की गई ताज़ा रिपोर्ट, जोकि देश में महिलाओं की वित्तीय प्रगति एवं क्रेडिट जागरूकता के मद्देनज़र हो रही उल्लेखनीय वृद्धि का तथ्य उजागर करती है।

आसमान छूने की इन साहसिक कल्पनाओं में सतरंगी आभा भरने का श्रेय काफी हद तक जाता है उन योजनाओं को, जो उद्यमिता के क्षेत्र में पदार्पण की चाहवान महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर ऋण सुविधा प्रदान करते हुए उन्हें स्वरोज़गार के अवसर उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इनमें प्रमुख हैं जन धन योजना, महिला उद्यमी मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया तथा प्रधानमंत्री रोज़गार प्रोत्साहन योजना। इसके साथ माइक्रोफाइनेंस संस्थान एवं महिला-केंद्रित क्राउडफंडिंग प्लेटफ़ॉर्म जैसे ग्रामीण फाउंडेशन इंडिया, मिलाप आदि भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के इस सद्प्रयास में मददगार बनकर आगे आ रहे हैं। यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत है आधुनिक नारी की उस प्रगतिशील सोच का, जो वित्तीय प्रबन्धन में स्वायत्तता की हिमायती है। रिपोर्ट के मुताबिक़, विगत पांच वर्षों में कर्ज़ लेने वाली महिलाओं की संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी देखने में आई। इन महिलाओं में से 60 फ़ीसदी ग्राम्य अथवा अर्धशहरी क्षेत्रों से संबंध रखती हैं; सामाजिक व आर्थिक विकास के दृष्टिगत निश्चय ही यह एक सुखद संकेत है।

नि:संदेह, बैंकिंग व्यवस्था में डिजिटल भुगतान ने महिलाओं के लिए कर्ज़ लेना व इसका प्रबन्धन करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है, जिसके चलते व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु लिए जा रहे कर्ज़ में महिलाओं की भागीदारी 14 फीसदी बढ़ी। वे नियमित तौर पर अपने क्रेडिट स्कोर भी जांच रही हैं। यही नहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एक पूर्व रिपोर्ट के मुताबिक़, देश के शेयर बाज़ार निवेशकों में हर चौथा निवेशक एक महिला ही है।

वित्तीय आत्मनिर्भरता न केवल आर्थिक स्वतंत्रता देती है बल्कि पुरानी रूढ़ियों को चुनौती देते हुए सांस्कृतिक मानदंडों को भी बदलती है। दरअसल, वित्तीय स्वतंत्रता व आत्मविश्वास के मध्य घनिष्ठ संबंध है। अध्ययनों से पता चला है कि महिलाएं जब वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण रखते हुए प्रभावी ढंग से प्रबंधित करती हैं तो इससे उनका आत्मसम्मान बढ़ता है। वे यह जानकर अच्छा महसूस करती हैं कि वे अपने व परिवार के लिए प्रावधान कर सकती हैं। सुरक्षित होने की भावना जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी आत्मविश्वास बढ़ाती है, जिसमें उनके करियर व रिश्ते भी शामिल हैं।

इसके बावजूद संख्या के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में देश की आधी आबादी की हिस्सेदारी अभी मात्र 18 फ़ीसदी है। इसमें एक बड़ा कारण है, पर्याप्त जानकारी का अभाव। महिलाएं अक्सर ऐसे नेटवर्क्स तथा मार्गदर्शकों तक पहुंच नहीं बना पातीं, जो उनके व्यवसाय के विकास हेतु अनिवार्य माने गए हैं। व्यवसाय पंजीकरण, संपत्ति अधिकारों तथा लाइसेंसिंग जैसी कानूनी समस्यायों के साथ तकनीकी संसाधनों व डिजिटल उपकरणों की कमी आदि भी एक बड़ी समस्या बनकर उभरती है। सामाजिक दबाव, अत्यधिक अपेक्षाएं एवं महिलाओं के कौशल व नेतृत्व क्षमता पर उठाए जाते प्रश्न भी उसे बेझिझक आगे बढ़ने से रोकते हैं। निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नज़रिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफ़र तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फ़ीसदी तक वृद्धि हो सकती है। पर्याप्त अवसर व संसाधन मिलें तो निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था में महिलाएं निर्णायक योगदान दे पाएंगी।

युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती जिद्दी गर्ल्स

हरिशंकर व्यास

ज़िद्दी गर्ल्स' कहानी है पांच जेन ज़ी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ ज़िंदगी की ताप से भी गुजर् रही हैंज्. ज़िद्दी गर्ल्स' सीरीज़ का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। और संकल्प जोशी शामिल हैं।

कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दर्शाया गया है।

कैंपस फ़िक्शन अपने आप में क़िस्सागोई के लिए एक बेहद दिलचस्प स्पेस है। चाहे ये कैंपस कॉलेज का हो या किसी यूनिवर्सिटी का, इसे कभी केंद्र तो कभी नेपथ्य में रख कर बहुत सी कहानियां, उपन्यास लिखे गए और फ़िल्में बनती रहीं हैं। इसी शृंखला में अब एक ताज़ातरीन वेब सीरीज़ आई है, ज़िद्दी गर्ल्स'। फिल्म की कहानी दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय में लड़कियों के लिए मशहूर कॉलेज मिरांडा हाउस' के इर्द गिर्द बुनी गई है, जिसका नाम तकनीकी और व्यावहारिक वजहों से मटिल्डा हाउस' कर दिया गया है। साथ ही शुक्र है उस भूल चूक लेनी देनी' की तख्ती (डिस्क्लेमर) एडवांस में लगा देने वाले अनिवार्य चलन का, जिसकी वजह से यह सीरीज़ रिलीज़ के पहले उन विवादों में फंसने से बच गई, जो इसे इसके दर्शकों से दूर रख सकते थे। तो चलिए आज के सिने-सोहबत' में चर्चा की जाए मटिल्डा हाउस' यानी मिरांडा हाउस' यानी एमएच' से जुड़ी इस कहानी पर बनी ज़िद्दी गर्ल्स' की।

दरअसल, एमएच' से मेरा निजी रिश्ता भी रहा है। तब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर' (सीएलसी) में पढता था। क़रीब पच्चीस साल हो गए। ज़िंदगी की पहली घोषित गर्लफ्रेंड एमएच में थी और वो भी वहां के हॉस्टल में। ग़ौरतलब है कि ये बताना उतना प्रासंगिक नहीं है कि अब वो मेरी पत्नी हैं लेकिन चूंकि समाज को प्रेम कहानियों का सुखांत देखना अच्छा लगता है इसलिए मैंने इसका ज़िक्र भी कर दिया है। तो होता ये था कि हर शाम उनसे मिलने जाता था। तब वहां रहने वाली लड़कियों के लिए विज़िटर्स से मिलने का समय होता था शाम साढ़े चार से साढ़े सात। उसके बाद के वक़्त को कहते थे कर्फ़्यू ऑवर'। शाम साढ़े सात के बाद हॉस्टल की वो सभी सैकड़ों लड़कियां उस ऊंची गेट और उससे भी ऊंची दीवारों के पीछे ग़ायब। ज़ाहिर है किसी भी संस्थान और वहां के माहौल को सुरक्षित रखने के लिए सिस्टम्स बनाए जाते हैं और समय समय पर उनको बेहतर करने के इंटरनल और एक्सटर्नल संघर्ष चलते रहते हैं। बहरहाल, अनुशासन' और अलग अलग किस्म की आज़ादी' के बीच का संघर्ष सदियों से चला आ रहा है लेकिन एमएच' की लड़कियों की जो बात मुझे सबसे ज़्यादा चकित करती रही कि वो है वहां के माहौल में देश भर से पढने् और खुद को गढने् आई लड़कियों में ऐसा कॉन्फिडेंस आता है कि वो अपनी पसंद की फील्ड में कुछ भी कर गुज़रती हैं और वो भी अपनी शर्तों पर। चाहे वहां के थिएटर ग्रुप्स हों, या डिबेटिंग सोसाइटी या फिर स्टूडेंट्स यूनियन के चुनाव, चुनाव की प्रक्रिया और उनमें इन लड़कियों का बेधड़क भाग लेना, साइंस एक्जीबिशन हो या पोएट्री रेसाइटेशन अपनी पढ़ाई और स्पोर्ट्स के साथ साथ सबमें जूझना इन लड़कियों की जीवन शैली बन जाती है। इस कैंपस में हज़ारों लाखों सपने साकार किए हैं। हर क्षेत्र में लड़कियों ने नाम किए हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी एक्स मिरांडीयन थीं। बहरहाल, ज़िद्दी गर्ल्स' कहानी है पांच जेन ज़ी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ ज़िंदगी की ताप से भी गुजर् रही हैं।

नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। इन सबके सबक क्या हैं? प्रादेशिक स्वायतत्ता की उपेक्षा संबंधी दक्षिणी राज्यों की कई शिकायतों में दम है, मगर जिस तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे जुड़े सवालों को लेकर माहौल गरमा रहे हैं, उससे उनके इरादे पर शक होना लाजिमी है। स्टालिन लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन से जुड़ी आशंकाओं, नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद, और हिंदी थोपने की कथित शिकायत को रोजाना के स्तर पर उठा रहे हैं। इस क्रम में वे अपने राज्य के लोगों को तुरंत अधिक बच्चे पैदा करने की प्रतिगामी सलाह देने की हद तक चले गए हैं। जाहिरा तौर पर केंद्र की कई नीतियों से गहराई शिकायतों में स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके के लिए अवसर देखा है। संकेत साफ हैं कि साल भर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में वे इन्हीं भावनात्मक मुद्दों को लेकर अभियान चलाएंगे। इस क्रम में खासकर भाषा विवाद में निहित खतरों की वे पूरी उपेक्षा कर रहे हैं। उनका अभियान हिंदी के खिलाफ है- जिसमें उन्होंने हिंदी बोलियों को खा गई जैसा तथ्यहीन दावा भी किया है। बहरहाल, ऐसे मुद्दे कैसे हालात पैदा कर रहे हैं, इस पर भी उन्हें जरूर ध्यान देना चाहिए। कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। सबक क्या है? स्पष्टत- यही कि पहचान एवं भावनाओं की राजनीति ने देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे मसलों को लेकर भड़काऊ माहौल बना रखा है। इसकी बड़ी जिम्मेदारी राजनेताओं और राजनीतिक दलों पर जाती है, जिन्हें ऐसे मुद्दों में वोट पाने का आसान रास्ता दिखता है। चूंकि आर्थिक और विकास नीतियों के मामलों में तमाम दलों ने समान रास्ता चुना हुआ है, वैसे में अपनी अलग प्रासंगिकता दिखाने का उन्हें यही सरल उपाय नजर आता है। लेकिन जन हित और राष्ट्र के व्यापक हित के नजरिए से यह खतरनाक खेल है। यह अवश्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि अगर धार्मिक विभाजन की राजनीति देश के लिए जोखिम भरी है, तो भाषा या जाति के आधार पर चुनावी गोलबंदी कम खतरनाक नहीं है।

पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट कैंसर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है।

ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरु षों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है।

ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरु आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं।

सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।

पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं।

महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता।

इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निन्शुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है।

भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके।

महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। महिलाओं के जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सके और भारत को स्वस्थ राष्ट्र बनाया जा सके।

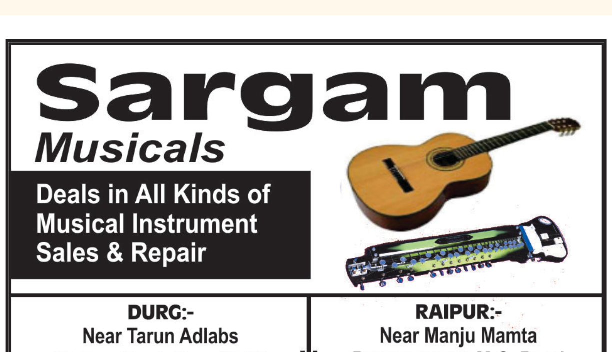

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

मर्चेन्ट एवं वायर रॉड मिल विभाग के कर्मचारी शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

भिलाई। बीएसपी के मिल जोन-1 के अन्तर्गत मर्चेन्ट एवं वायर रॉड मिल विभाग में पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए कर्मचारियों को प्रेरित करने तथा उन्हें पहचान देने के लिए कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित करना है। कार्यक्रम में सहायक महाप्रबंधक गोपाल राजेष एवं सहायक महाप्रबंधक पी हरि कृष्णा को पाली शिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया। मर्चेंट मिल विभाग के इंजीनियरिंग एसोसिएट राजेष कुमार तिवारी, जूनियर इंजीनियर सी वी श्रीनिवास, इंजीनियरिंग एसोसिएट आर श्रीनिवास, एवं वायर रॉड मिल विभाग के इंजीनियरिंग एसोसिएट प्रमोद कुमार, चार्जमेन कम वरिष्ठ तकनीषियन दिनेष कुमार, इंजीनियरिंग एसोसिएट खेमनलाल को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। षिरोमणि पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह के रूप में प्रशस्ति पत्र, जीवनसाथी हेतु प्रशंसा पत्र तथा मिठाई का कूपन प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक मुनीश कुमार गोयल ने अपने उद्बोधन में कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने व संसाधनों का उच्चतम उपयोग करते हुए बेहतर प्रतिफल प्राप्त करने पर जोर दिया। पुरस्कार समारोह में सभी अनुभाग प्रमुख, महाप्रबंधक एस के हरिरमानी, महाप्रबंधक पी एस कोरेटी, महाप्रबंधक एस के नायक, महाप्रबंधक अनुपमा कुमारी तथा महाप्रबंधक मोहिब्बुल हुसैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक समायला अंसारी द्वारा किया गया। विदित हो कि इस योजना के तहत कर्म शिरोमणि पुरस्कार से उन कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने विगत माह में उत्कृष्ट कार्य किया हो तथा पाली शिरोमणि पुरस्कार से उन कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने विगत तिमाही में बेहतरीन कार्य कर अपनी क्षमता का प्रदर्षन किया हो।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में महिला सशक्तिकरण का उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, जब पूरी दुनिया जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मना रही है, वहीं सेल-भिलाई स्टील प्लांट पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान रहे इस स्टील उद्योग में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। भिलाई न केवल अपने इस्पात उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां एक ऐसा वातावरणध्संस्कृति विकसित किया गया है, जहां महिलाएं अपने पुरुष सहयोगियों के साथ मिलकर कार्य करती हैं और संगठन के विकास, वृद्धि एवं सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

'ग्रेट प्लेस टू वर्क' के रूप में मान्यता प्राप्त सेल-बीएसपी, विश्वास, सहयोग और कर्मचारी सशक्तिकरण पर आधारित कार्यस्थल बनाने की इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और एक मजबूत संस्कृति का निर्माण करती है। सेल संगठन में महिलाओं को सिर्फ उनके कौशल और समर्पण के आधार पर उन्नति के अवसर और प्रतिभा को पोषित करने का मौका मिलता है, न कि किसी अलग मापदंड के आधार पर। ब्लास्ट फर्नेस जैसे खतरनाक विभागों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाने से लेकर वित्त, इंजीनियरिंग, संचालन, योजना और अन्य विभागों में नेतृत्व की जिम्मेदारियां संभालने तक, सेल-बीएसपी की 237 अधिकारियों और 605 कार्मिकों सहित कई ठेका श्रमिक महिलाओं ने असाधारण क्षमता और नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। भले ही स्टील उद्योग शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण और तकनीकी दृष्टि से जटिल हो, भिलाई स्टील प्लांट ने न केवल महिलाओं को रूढ़िवादिता तोड़ने के लिए प्रेरित किया, बल्कि उन्हें अपने करियर में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए आवश्यक समर्थन भी प्रदान किया है, जिससे वे अपने कार्य और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बना सकें। सेल-बीएसपी में कई प्रेरणादायक महिलायें हैं, जिन्होंने यह साबित किया है कि ताकत, लचीलापन, दृढ़ता और समर्पण, लैंगिक सीमाओं को पार कर सकते हैं। इस महिला दिवस पर हम उन्हीं में से कुछ चुनिन्दा कहानियां साझा कर रहे हैं।

शक्ति और दृढ़ संकल्प की कुछ चुनिन्दा कहानियाँ

मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एलडी एवं बीई) श्रीमती निशा सोनी, जिन्होंने 1984 में सेल में अपने करियर की शुरुआत की थी, और अपने 29 वर्षीय सफर का श्रेय सेल की लिंग-निरपेक्ष और सहायक संस्कृति को देती हैं। उनका मानना है कि प्रोफेशनल महत्वाकांक्षाओं और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना महिलाओं को सपनों से समझौता किए बिना उसे साकार करने में मदद करता है। कार्य-जीवन संतुलन के लिए उनका अनुशासित दृष्टिकोण - कार्यालय में अपने काम के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करना और घर पर परिवार पर ध्यान केंद्रित करना उनकी सफलता की आधारशिला रहा है। उनकी कहानी इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे एक संयुक्त परिवार का समर्थन और एक संतुलित दृष्टिकोण महिलाओं को व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं से समझौता किए बिना अपने प्रोफेशनल या करियर सम्बंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन-बीएफ) सुश्री सिम्मी गोस्वामी, जो 1993 में बीएसपी में जुड़ीं, अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताती हैं, वे उस समय ब्लास्ट फर्नेस में अकेली महिला थीं। वह उस समावेशी और सहायक वातावरण को याद करती हैं जिसने उन्हें कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में मदद की, और पारंपरिक बाधाओं को तोड़कर सफलता की उचाईयों को छुआ। उनका संदेश महिलाओं को प्रेरित करता है कि वे ''फर्स्ट एमंग द इक्वल'' बनने की कोशिश करें, और इनकी यह सोचा दर्शाती हैं कि प्रयास और दृढ़ता से किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

महाप्रबंधक (परियोजनाएं) बोन्या मुखर्जी, जो 1992 से सेल-भिलाई स्टील प्लांट का हिस्सा रहीं हैं, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए विशेष टैग की आवश्यकता नहीं मानतीं। उनका मानना है कि महिलाओं को उनकी कड़ी मेहनत और गुणों के आधार पर ही महत्व मिलना चाहिए। सेल-बीएसपी के विभिन्न विभागों में उनकी यात्रा चुनौतियों से भरी थी, लेकिन उन्हें हर कदम पर विविध अवसरों के लिए अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों से पूरा समर्थन मिला। उनका मानना है कि महिलाओं को मानसिक अवरोधों को दूर करना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना चाहिए। विभिन्न प्रतियोगिताओं, शोध पत्रों और संगठनात्मक पहलों में उनकी भागीदारी, बाधाओं को तोड़ने और नए मानक बनाने के उनके सक्रिय दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

महाप्रबंधक (एमडब्ल्यूआरएम) श्रीमती अनुपमा कुमारी, जो 1993 से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत हैं, दृढ़ता और समर्पण की मिसाल हैं। अपना पूरा प्रोफेशनल लाइफ कार्यशाला में बिताते हुए, उन्होंने चुनौतियों का डटकर सामना किया और चुनौतियों को अपनी कार्य उत्कृष्टता से अवसरों में बदल दिया और सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंची। अपने प्रबंधन प्रणाली, वरिष्ठों और टीम से अपार समर्थन के साथ, उन्होंने महत्वपूर्ण कौशल में महारत हासिल की और अपने कर्तव्यों को शालीनता से निभाया। महिलाओं के लिए उनका संदेश वास्तव में प्रेरणादायक है: वे कहती हैं कि ''बाधाओं को चुनौती के रूप में लें, दृढ़ता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें और मुस्कुराते हुए दुनिया को मात देते हुए अपनी एक नई पहचान बनाएँ।'' उनकी यह यात्रा एक सशक्त उदाहरण है कि सही दृष्टिकोण और समर्थन के साथ, महिलाएं सबसे कठिन वातावरण में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं।

महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) नीना राठौर, सेल-बीएसपी में नेतृत्व और शक्ति का एक और प्रेरणादायक उदाहरण हैं। महिला दिवस पर उनका संदेश संगठन में महिलाओं की सहनशक्ति, कठिन परिश्रम और अग्रणी भावना को रेखांकित करता है। वह महिलाओं के योगदान को केवल कर्मचारियों के रूप में नहीं, बल्कि लीडर, मार्गदर्शक और रोल मॉडल के रूप में भी महत्वपूर्ण मानती हैं और उनके उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डालती हैं। आत्मविश्वास, आपसी समर्थन और उत्कृष्टता की ओर प्रयास करने पर उनका जोर महिलाओं के सशक्तिकरण की भावना को प्रदर्शित करता है और दूसरों के लिए एक मजबूत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

महिला दिवस पर आयोजित 'शक्ति-2024' जैसे कार्यक्रमों में विभिन्न प्रतियोगिताएं और गतिविधियां शामिल हैं, जो नारीत्व का जश्न मनाती हैं और महिलाओं की भागीदारी, सहयोग और सक्रीय योगदान को मान्यता देने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। संयंत्र की ये संस्कृति यह सुनिश्चित करती है कि महिलाएं सुरक्षित, मूल्यवान और प्रेरित महसूस करें और अपनी पूरी क्षमता तक तक पहुंच सकें। संगठन के समग्र दृष्टिकोण में ऐसी पहल शामिल हैं, जो निरंतर सीखने, कौशल विकास और विकास के नए रास्ते तलाशने के अवसरों को बढ़ावा देती हैं। आन्या जैसे कार्यक्रम से भिलाई इस्पात संयंत्र अपनी कई महिला सशक्तिकरण पहलों के माध्यम से, एक ऐसा माहौल तैयार करता है जहाँ महिलाएँ सिर्फ भागीदार नहीं बल्कि लीडर के रूप में नेतृत्व गुण भी सीखतीं हैं। इस बात से स्पष्ट है कि महिला कर्मचारियों को शोध में शामिल होने, नवाचार में योगदान देने और संगठनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जाता है।

आशा और प्रेरणा का संदेश: इस महिला दिवस पर, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र न केवल अपनी महिला वर्कफोर्स की उपलब्धियों का जश्न मनाता है, बल्कि एक समावेशी कार्यस्थल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। सेल-बीएसपी की श्रीमती निशा सोनी, श्रीमती बोन्या मुखर्जी, श्रीमती अनुपमा कुमारी सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं से श्रीमती विनीता द्विवेदी, मानव संसाधन से सुश्री शीजा मैथ्यू और सुश्री आर रंजनी, परियोजना विभाग से रूपम कक्कड़, शिक्षा विभाग से श्रीमती शिखा दुबे, स्टील मेल्टिंग शॉप से श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस, अग्निशमन विभाग से सुश्री सारिका गहने और कई अन्य महिलाओं की कहानियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि सही समर्थन और अवसरों के साथ, महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं। ये महिलाएँ रोल मॉडल हैं जो दूसरों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने, चुनौतियों से पार पाने और समाज और राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती हैं।

सेल-बीएसपी का यह दृष्टिकोण सभी उद्योगों के लिए एक आदर्श है, जो यह दिखाती है कि एक सहायक और समावेशी कार्यस्थल महिलाओं को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने में कैसे मदद कर सकता है और उन्हें सशक्त बना सकता है। हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस अवसर पर सभी के जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं के लिए समानता, समर्थन और सम्मान को बढ़ावा देने का संकल्प लें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

अर्थशास्त्र जीवन के हर प्रसंग में महत्वपूर्ण - डॉ. आरएन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अर्थशास्त्र जीवन के हर प्रसंग में महत्वपूर्ण है। किसी भी संस्था अथवा परिवार के सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति में अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये उद्गार भारती विष्वविद्यालय, दुर्ग के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. आर.एन. सिंह ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में व्यक्त किये। डॉ. सिंह आज महाविद्यालय के अर्थषास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

बड़ी संख्या में उपस्थित प्राध्यापकों, शोधार्थियों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के टैगोर हॉल में डॉ. सिंह ने कहा कि अर्थषास्त्र के प्रत्येक विद्यार्थी को गहनता से अपना अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि अर्थषास्त्र ऐसा विषय है, जिसमें किसी भी योजना की लागत जुड़ी हुई रहती है, हमारी छोटी सी गलती किसी भी योजना को सफल अथवा असफल बना सकती है। सेमीनार के मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ आर्थिक विकास परिषद के सचिव एवं पंडित रविषंकर शुक्ल विष्वविद्यालय, रायपुर के अर्थषास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र के. ब्रम्हे ने सतत् विकास का लक्ष्य 2030 की चर्चा करते हुए कहा कि मानव विकास और सामाजिक विकास का एक-दूसरे से गहरा संबंध है। डॉ. ब्रम्हे के आमंत्रित व्याख्यान की सभी प्रतिभागियों ने प्रषंसा की। डॉ. हरिसिंह गौर विष्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेष के अर्थषास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. उत्सव आनंद ने विषिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि धारणीय भविष्य का अर्थषास्त्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः हम सभी को इस गहन विचार विमर्ष करना चाहिए।

डॉ. आनंद ने अर्थषास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार की सराहना की। नागपुर के आरटीएम विष्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. समीत लक्ष्मण मोहरे ने सतत् विकास एवं पर्यावरण के पारस्परिक संबंध पर प्रकाष डाला। उन्होंने कार्बनिक खाद और जीवन स्तर तथा हरित क्रांति का विस्तार से वर्णन किया।

एलडीसीपी विभाग के कर्मचारी शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एलडीसीपी विभाग में कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन महाप्रबंधक प्रभारी रतन कुमार मुखर्जी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम में एल.डी.सी.पी विभाग के इंजीनियरिंग एसोसिएट सरोज कुमार, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट नवीन उइके, जूनियर इंजीनियर के जी एस राव, इंजीनियरिंग एसोसिएट व्यंकटसवरलु को माह सितम्बर अक्टूबर, नवम्बर एवं दिसम्बर-2024 कर्म शिरोमणी सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि रतन कुमार मुखर्जी ने अपने उदबोधन में श्रमवीरों को बधाई देते हुए कहा कि हमें सुरक्षित कार्यप्रणाली पर ध्यान देते हुए ही उत्पादन को जारी रखना है। सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। आप लोगों ने अपनी उत्कृष्ट कार्य संस्कृति से चुनौतियों को अवसर में बदलकर कठिन कार्यो को अंजाम दिया हैं और आगे भी हमें सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर उत्पादन कार्य में संलग्न रहना है।

इस समारोह में एलडीसीपी विभाग के महाप्रबंधकगण सुषांता पाल, डी.के.वर्मा तथा संजय नायक महाप्रबंधक सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी के डी बघेल ने किया। सफल बनाने में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी आर के ठाकुर तथा नरेन्द्र कुर्रे, पूरन लाल साहु एवं कल्याणी साहू ने अपना योगदान दिया। इस पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य अपने कार्यस्थल/पाली में नवीनता, बेहतर संसाधनों का उपयोग एवं संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सुरक्षा के मानक मापदण्डों के साथ विभाग में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मठ एवं सृजनशील कार्मिकों को एक विशेष पहचान प्रदान कर सम्मानित करना है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में फौलादी महिलाओं की प्रेरणादायक यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, जब पूरी दुनिया जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मना रही है, वहीं सेल-भिलाई स्टील प्लांट पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान रहे इस स्टील उद्योग में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण का एक प्रतिक बन गया है। महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, जो स्टील उत्पादन में अपनी अग्रणी भूमिका के लिए प्रसिद्ध है, समानता, सम्मान और सभी कर्मचारियों के लिए अवसरों की संस्कृति को बढ़ावा देने में भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

सेल-बीएसपी ने हमेशा यह सिद्ध किया है कि बीएसपी की मजबूती केवल उसके इस्पात उत्पादन में नहीं है, बल्कि इस्पाती मजबूत मानव संसाधन के विकास और निर्माण में है। प्लांट के विभिन्न पहलों का उद्देश्य, अपनी महिला कर्मचारियों के लिए विकास, शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देती हैं, जो वाकई सराहनीय हैं। लंबे समय से पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाने वाले स्टील उद्योग के कठिन वातावरण के बावजूद, बीएसपी ने यह सुनिश्चित किया है कि उसकी महिला कर्मचारियों को आगे बढ़ने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के समान अवसर मिले।

बीएसपी में कई महिला कर्मचारियों की यात्रा, इस बात का प्रमाण है कि संगठन लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्ध है। यहां महिलाएं केवल भाग नहीं ले रही हैं, बल्कि वे चिकित्सा, इंजीनियरिंग, खनन, संचालन, योजना, परियोजनाएं, खेल, शिक्षा, वित्त और यहां तक यहां तक कि ब्लास्ट फर्नेस जैसे जोखिम भरे विभागों सहित विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं।

इसी तरह की एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं, यूनिवर्सल रेल मील (यूआरएम) की प्रबंधक श्रीमती ज्योति संगोलकर, जो 2014 से यूनिवर्सल रेल मिल की कमीशनिंग और स्टेबलाइजेशन का अभिन्न हिस्सा रही हैं। लगातार सुबह की शिफ्ट के दौरान उनके समर्पण, उत्पादन के दबावों को प्रबंधित करने और तकनीकी सुधार में योगदान देने के कारण उनकी टीम ने प्रतिष्ठित एपेक्स पुरस्कार जीता। वह दृढ़ता की भावना का प्रतीक हैं और अपनी साथी महिला सहकर्मियों को चुनौतियों को स्वीकार करने, अपनी क्षमता पर विश्वास करने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और निरंतरता से यह साबित किया कि महिलाएं किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं, बशर्ते उन्हें सही अवसर मिले।

शैक्षिक सशक्तिकरण: बीएसपी की शिक्षा और कौशल विकास के प्रति प्रतिबद्धता, आदिवासी और वंचित पृष्ठभूमि की युवा महिलाओं के लिए इसकी पहलों से भी स्पष्ट होता है। सुश्री सुलोचना सलाम, बीएसपी की सीएसआर पहल के तहत नर्सिंग की छात्रा हैं, जो भिलाई के पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बीएससी नर्सिंग कर रही हैं। नारायणपुर से आने वाली सुलोचना, जहाँ महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा दुर्लभ है, आदिवासी महिलाओं को बढ़ावा देने और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रोफेशनल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बीएसपी की आभारी हैं। इस कार्यक्रम ने न केवल उनकी प्रोफेशनल क्षमताओं को बढ़ाया है, बल्कि शिक्षा के गहन प्रभाव को प्रदर्शित करते हुए उनके व्यक्तित्व में भी सकरात्मक बदलाव लाया है।

इसी तरह, सुप्रिया सरकार, नूतन निराला और जॉर्जिना टोप्पो जैसी नर्सिंग छात्राएँ विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में जेएलएन अस्पताल और अनुसंधान केंद्र में व्यावहारिक कौशल ज्ञान प्राप्त कर रही हैं। विभिन्न जागरूकता पहल और प्रतियोगिताओं के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में अपनी भावी भूमिकाओं के लिए अच्छी तरह से तैयार कर रहा है, साथ ही उन्हें सामाजिक-चिकित्सकीय विषयों पर भी सामुदायिक जागरूकता में योगदान देने में सक्षम बना रहा है। सभी जीवन क्षेत्रों से महिलाओं का समर्थन: जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं का समर्थन करना बीएसपी की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल भी विविध पृष्ठभूमि की महिलाओं के उत्थान पर इसके फोकस को दर्शाती है। आईडीटीआर संस्थान के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से, बीएसपी ने श्रीमती गायत्री साहू को लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) ड्राइविंग में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया। इस पहल ने न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनाया बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000

A Leela Electronics: 9425507772

Reena Electronics: 9329132299

Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद का निर्वाचन शांतिपूर्ण संपन्न

राजनांदगांव। राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त कार्यक्रम अनुसार आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए निर्धारित समय में शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी सीएल मारकण्डेय उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सुबह 11 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष पद हेतु किरण रविन्द्र वैष्णव एवं विमल विभा साहू के द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा किया गया। जांच उपरांत दोनों नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य पाए गए और मतदान कराया गया। मतदान पश्चात् मतगणना की कार्रवाई की गई। जिसमें किरण रविन्द्र वैष्णव को अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित घोषित कर प्रमाण-पत्र प्रदाय किया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष का निर्वाचन शांति पूर्वक संपन्न हुआ। जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद के लिए दोपहर 2.30 बजे किरण अमर साहू और महेन्द्र यादव के द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा किया गया। जांच उपरांत दोनों नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य पाए गए और मतदान कराया गया। मतदान पश्चात् मतगणना की कार्रवाई की गई। जिसमें किरण अमर साहू को उपाध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित घोषित कर प्रमाण-पत्र प्रदाय किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद का निर्वाचन कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हुआ। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव देवेन्द्र कुमार कौशिक उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना से महिलाएं बन रही हैं आत्मनिर्भर

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम उठाते हुए महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई है। प्रतिमाह एक हजार रुपए और साल में 12 हजार रूपए महिलाओं के खाते में अंतरित करने के साथ उन्हें आर्थिक मदद पहुंचाने की इस पहल से महिलाओं में एक अलग ही उत्साह का वातावरण है। उनका कहना है कि सरकार की इस योजना से हमें अब अपनी छोटी-छोटी जरूरतों में किसी के पास पैसा मांगने की आवश्यकता नहीं है। कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्र कोनकोना की रहने वाली श्रीमती श्याम बाई ने बताया कि हमने सोचा भी नहीं था कि महिलाओं के लिए ऐसी योजनाएं संचालित होगी जिसमें हर माह एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त होगी। हम महिलाएं गृहणी के तौर पर पूरा घर चलाती हैं और एक-एक रुपये की बचत कर थोड़े बहुत पैसे जमा कर पाती हैं। जिसका उपयोग अक्सर घर की जरूरी वस्तुओं के पूर्ति में हो जाता हैं। श्याम बाई ने बताया कि उनके पति खेती किसानी मजदूरी करते हैं, पति की आमदनी से ही परिवार का खर्च चलता है, लेकिन कोई बचत नहीं हो पाती है, जबकि समय-समय पर परिवार में पैसे की आवश्यकता पड़ती रहती है।

महिलाएं होती हैं एक अच्छी प्रबंधक : सीईओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) ग्राम बरगा में ''विकास के वादे के लिए आगे बढ़े'' थीम पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने सभी को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिला दिवस सभी के लिए है। अब महिलाओं के प्रति सोच एवं विचारों में सामाजिक परिवर्तन आया है।

महिलाओं के आगे बढने् के लिए पुरूषों का सहयोग मिलता है। महिलाएं एक अच्छी प्रबंधक होती है और घर एवं बाहर की जिम्मेदारी दोनों ही बेहतर तरीके से संभाल रही है। यह हमारी शक्ति है और हम बेहतर तरीके से कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि यह हमारे लिए है। लेकिन बाद में इसे समाप्त करना चाहिए। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जिसमें महिला एवं पुरूषों की समान भागीदारी रहे। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें अपने बालकों को बचपन से ही यह सिखाना होगा कि बालक एवं बालिका दोनों समान है। घर-बाहर दोनों जगह की जिम्मेदारी है, तो एक साथ मिलकर निभाना है। बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी माता-पिता दोनों की समान रूप से होती है और इसे पूरा करना दोनों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि कभी भी अपने प्रति किसी भी तरह का संदेह नहीं रखें और स्वयं पर आत्मविश्वास बनाएं रखें। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट उन्नति के तहत यहां प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद स्वरोजगार की ओर आगे बढ़ें तथा एक सफल महिला उद्यमी बनें। उन्होंने समूह की महिलाओं से कहा कि अपने अनुभव अन्य महिलाओं से साझा करें। उन्होंने कहा कि हम सभी महिलाएं एक और एक ग्यारह होते हैं।

जनप्रतिनिधि श्रीमती सरिता मंडावी ने कहा कि महिला दिवस नारी शक्ति को समर्पित है। सभी दीदी शिक्षित हैं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. उषा किरण बड़ाईक ने सभी को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिलाएं एक बेहतरीन प्रबंधक होती है। वे घर एवं बाहर दोनों तरह की जिम्मेदारी का निर्वहन करती है। उन्होंने कहा कि बालक एवं बालिकाओं में समानता का भाव होना चाहिए और बालिकाओं को भी बालक की ही तरह पढने् एवं अन्य अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा किए। उपायुक्त सहकारी संस्थाएं शिल्पा अग्रवाल ने कहा कि हम सब बराबर है और हमें मिलकर अच्छा कार्य करना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए घर में निर्णय लेने तथा प्रबंधन जरूरी है। बच्चों के पालन पोषण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए। उन्होंने प्रदूषण को कम करने, प्लास्टिक को दूर करने, कपड़े से बने बैग का उपयोग करने एवं स्वच्छता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उप निरीक्षक पुलिस गीतांजलि सिन्हा ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए है, ताकि उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया जा सके। महिलाएं सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं और आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को बढ़ाएं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं। उन्होंने बताया कि वे महिला थाना प्रभारी राजनांदगांव के रूप में पदस्थ है। समाज में महिला एवं पुरूष समान है तथा कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहती है। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शिल्पा तिवारी ने कहा कि महिलाएं अपने लिए समय निकालें और स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आज के समय में परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए, प्रोटीन युक्त भोजन लेना चाहिए, ताकि शरीर में ऊर्जा बनी रहे। सुबह-शाम इसके लिए अपने भोजन में दाल को अवश्य शामिल करें।

लीड बैंक से श्रीमती निशा गजभिये ने कहा कि बालिकाओं को मजबूत बनाना और बढ़ाना बहुत जरूरी है, जिससे वे आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ायेंगे। जिला विपणन अधिकारी श्रीमती हीना खान ने सभी को महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्वसहायता समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए तथा लघु उद्यम के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान समूह की महिलाओं ने विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाये थे। जिनमें हर्बल गुलाल, डिटर्जेन्ट पाउडर, विभिन्न तरह के साबुन, फिनाईल, अगरबत्ती, श्रृंगार सामग्री जैसे उत्पाद उपलब्ध हैं। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही महिलाओं को महिलाये जाने अपना हक एवं अधिकारी पुस्तिका का वितरण भी किया गया।

जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड मनोज कुमार नायक ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्राामीण विकास नाबार्ड के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए कार्य किए जा रहे हैं। राज्य शासन एवं केन्द्र शासन द्वारा कृषि उत्पाद संगठन, महिला स्वसहायता समूह को विकास के दृष्टिकोण के साथ नाबार्ड के माध्यम से सुविधाएं दी जा रही है। महिला समूह मील का पत्थर है, जो भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड एवं अन्य बैंकों के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ रहे है, जो एक सामाजिक परिवर्तन एवं क्रांति की तरह है। आरसेटी के संचालक श्री विपिन एक्का ने बताया कि यहां प्रोजेक्टर उन्नति एवं लखपति दीदी के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं में शक्ति एवं सामर्थ है और महिलाएं चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़े। कार्यक्रम के अंत में लीड बैंक मैनेजर मुनीश शर्मा ने आभार व्यक्त किया तथा महिला विकास के कार्यों में तेजी लाने की बात कही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

दवाईयां सस्ते दामों पर उपलब्ध कराने जनऔषधि केन्द्र वरदान साबित हो रही : तोखन साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू आज भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित जन औषधि सप्ताह के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर पूजा विधानी ने की। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि 25000 तक जन औषधि केंद्र और खोले जाएंगे जिससे आमजन को कम से कम दाम में उच्च गुणवत्ता की दवाइयां मिल सके।

जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है उनके लिए जन औषधि केंद्र वरदान साबित हुआ है। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जन औषधि केंद्र का अवलोकन किया गया और उपलब्ध दवाईयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही जन औषधि के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए की यथासंभव जन औषधि की सभी दवाएं सभी जन औषधि केंद्रों में उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर सचिव रेडक्रॉस डॉ प्रमोद तिवारी ने स्वागत उद्बोधन तथा जन औषधि केन्द्र की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि की आसंदी से केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने सरकार के इस दिशा में उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री की इस योजना को देश की सबसे बड़ी योजना बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जन औषधि केंद्रों से दवाई खरीदने करने वाले ग्राहक भी उपस्थित थे जिन्होंने अपने अनुभव साझा किये। सभी ने माननीय प्रधानमंत्री महोदय को धन्यवाद दिया कि उनकी इस योजना से उन्हें सस्ती और उत्तम दवाईयां भी मिली और उनके पैसे भी कम खर्च हुए। महापौर विधानी ने इस अवसर पर सभी को बधाई दी एवं आमजन से अपील की की अधिक से अधिक संख्या में लोग जन औषधि से दवाई खरीदें। उन्होंने बताया की उनके घर में काम करने वाली बाई जिसको बाजार में दवाईयां 6000 रूपए की मिल रही थी वही सब दवाईयां जन औषधि में सिर्फ350 रूपए में मिल गई।

सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल गुप्ता ने जन औषधि दवाइयों की उपलब्धता के बारे में एवं गुणवत्ता के विषय में जानकारी दी।

जिला समन्वयक सौरभ सक्सेना ने जन औषधि एवं ब्रांडेड दवाईयां के मूल्य का तुलनात्मक विवरण सभी के समक्ष प्रस्तुत किया जिससे लोगों को यह जानकारी मिली की कम मूल्य की उत्तम दवाइयां ब्रांडेड दवाइयों से 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सस्ती है। कार्यक्रम के अंत में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष अमरजीत सिंह दुआ ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित आमजन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी चेयरमैन डॉ. बी. एल. गोयल डॉ रेडक्रॉस नोडल अधिकारी एम. ए. जीवनी, प्रणय मजुमदार, पूर्व महापौर किशोर राय, जुगल, आदित्य पांडे, लक्ष्मी नारायण मिश्रा, मनीष मिश्रा, सुशील राजपूत, आशीष गोविंद मिश्रा, अंजू ठाकुर, मोहन वैष्णव, गीतेश्वरी चंद्रा, नेहा राय, रचना राय, सरिता साहू, नॉरिस सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कृषि और शिक्षा से जुड़े ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से करें समाधान : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं परामर्शदात्री समिति कि विशेष 192वीं बैठक दिसंबर तिमाही (डीएलसीसी) की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी बैंक कृषि और शिक्षा से जुड़े ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से लें। यदि किसी भी बैंक में ऋण से जुड़े प्रकरण आते है तो लंबित ना रखें। कम से कम औपचारिकता करते हुए प्रक्रियाओं को जल्दी पूर्ण करें और हितग्राहियों को जल्द ऋण प्रदान करें। कलेक्टर ने बैठक में बैंकों के प्रतिनिधियों के अनुपस्थित रहने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने उक्त बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधन को कड़ा चेतावनी पत्र लिखने के निर्देश एलडीएम को दिए। साथ ही इसकी प्रतिलिपि रिजर्व बैंक ऑफइंडिया को अग्रिम कार्रवाई के लिए देने को कहा।

कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि एनआरएलएम और एनयूएलएम से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि इनसे जुड़े ऋण प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ विचार करें और उनकी प्रक्रियाओं को जल्द पूर्ण करें।

बैठक में एलडीएम सिराज हाईत ने जानकारी दी कि एनआरएलएम ने अपना शत प्रतिशत और एनयूएलएम ने 98 प्रतिशत पीएम स्वानिधि योजना में 92 प्रतिशत लक्ष्य अर्जित किया गया। साथ ही उन्होंने 2024-25 में प्राथमिकता लोन के टारगेट दिसंबर तिमाही तक 87 प्रतिशत अर्जित कर लिया है। इस पर डॉ सिंह ने सराहना करते हुए कहा कि सारे बैंक भविष्य में भी ऐसे जुड़े प्रकरणों का गंभीरता से समाधान करें।

लखपति दीदी बनीं बहनों की ये जोड़ी, आर्थिक आत्मनिर्भरता ही नहीं हौसले की भी मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। आज पूरा देश अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है। महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन की विभिन्न योजनाएं संचालित हो रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। महिला दिवस पर ऐसी ही दो बहनों की जोड़ी ने महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में एक मिसाल पेश की है। उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता और उद्यमिता से आज अन्य महिलाएं प्रेरित हो रही हैं।

बिहान योजना से आया सकारात्मक बदलाव

जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कटिंदा में रहने वाली दो बहनें फजरुनिशा और ताहरुनिशा आज आर्थिक आत्मनिर्भरता के कारण लखपति दीदी के रूप में जानी जाती हैं। फजरुनिशा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनके पिता कपड़ा सिलाई का काम करते थे, लेकिन गांव में आमदनी कम होने के कारण घर चलाना मुश्किल था। 2016 में दोनों बहनों ने महिलाओं के साथ मिलकर बिहान योजना से जुड़कर 'जीवन दीप स्व सहायता समूह' बनाया। पहली बार लोन लेकर उन्होंने फोटो कॉपी का काम शुरू किया। इससे मिली आमदनी से उनका हौसला बढ़ा और समूह के माध्यम से फिर लोन लेकर खेत में बोर कर ईंट बनाने का काम शुरू किया।

बिहान योजना बनी संजीवनी

बिहान योजना ने महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। फजरुनिशा ने बताया कि 2022 में कोरोना काल के दौरान उनकी बहन ताहरुनिशा को कोविड हो गया था। इसी दौरान फजरुनिशा की तबीयत भी बिगड़ी और जांच कराने पर पता चला कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का तीसरा स्टेज चल रहा है। उन्हें लगा कि अब सब कुछ खत्म हो जाएगा, लेकिन उनकी बहन ने उन्हें हौसला दिया। जब पैसों की जरूरत थी, तब बिहान योजना उनके लिए संजीवनी बन गई। समूह के माध्यम से उन्होंने करीब 80 हजार रुपए का लोन लिया और इलाज के लिए बड़े शहर गए। इलाज के दौरान जब पैसे खत्म होने के कगार पर थे, तब आयुष्मान कार्ड ने उनकी मदद की। इससे उनका इलाज संभव हुआ और आज वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

स्व-सहायता समूह से लोन लेकर चला रही हैं किराना दुकान

फजरुनिशा ने बताया कि सरकार की बिहान योजना ने महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाया है। आज बिहान की वजह से वह आर्थिक रूप से सशक्त हो पाई हैं। उन्होंने एक लाख रुपए का लोन लेकर किराना दुकान शुरू की है, जो अच्छा चल रहा है। साथ ही उन्होंने कबूतर पालन का काम भी शुरू किया है। इन सभी स्त्रोतों से मिलकर महीने में 10 से 15 हजार रुपए की शुद्ध बचत हो रही है। अब उन्हें आर्थिक तंगी से जूझना नहीं पड़ता। फजरुनिशा ने कहा कि उनकी बीमारी के दौरान उनकी बहन और बिहान योजना ने उनका साथ दिया, जिसके बदौलत वह आज जिंदा हैं। उन्होंने शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि उन्हें समाज में एक नई पहचान भी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस बजट में 8 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है, हम चाहते हैं कि जिस तरह हमें लाभ मिला, हमारी तरह विष्णु के सुशासन में और भी महिलाओं को लाभ मिले और वे लखपति बनें।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे शिविर जरूरी : सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजनांतर्गत जिले के दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठजनों हेतु भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम जबलपुर द्वारा निर्मित सहायक उपकरणों, कैलीपर्स व कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय करने के लिए सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा कमलेश जांगड़े के मुख्य आतिथ्य में आज शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजन तथा वरिष्ठजन हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरण कर लाभांवित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा कमलेश जांगड़े ने कहा कि शासन के निर्देशन में संभाग अंतर्गत विभिन्न जिलो में दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण किया जा रहा है। केंद्र और राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार किसानों, युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठजनों सहित सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिविर आयोजित करना जरूरी है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष रेखा देवा गढेवाल ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में मोटराईज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, कैलिपर्स, छड़ी कृत्रिम अंग, श्रवणयंत्र, ब्रैलकीट, रोलेटर चाईल्ड, व्हीलचेयर, वाकर हितग्राहियों को प्रदाय किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, उप संचालक पंचायत अभिमन्यु साहू, समाज कल्याण उप संचालक बी एन बैक सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, विभिन्न दिव्यांगजन व वरिष्ठजन हितग्राही तथा समाज कल्याण विभाग सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।1

डाइटिंग से जुड़े इन 5 मिथकों पर भरोसा करने से बचें, जानें इनकी सच्चाई

फिट रहने के लिए और शरीर को डिटॉक्स करने के लिए डाइटिंग एक बेहतरीन अभ्यास है, बशर्ते इसे सही तरीके से किया जाए। डाइटिंग से जुड़ी बहुत सी सलाह दी जाती हैं, जिनमें से कुछ सही तो कुछ गलत होती हैं। इसकी वजह से अधिकतर लोग डाइटिंग करना ही छोड़ देते हैं। आइए आज डाइटिंग से जुड़े ऐसे ही पांच मिथक और उनकी सच्चाई के बारे में जानते हैं।

मिथक 1- स्वस्थ खाना महंगा होता है

कई लोग ऐसा मानते हैं कि डाइटिंग के दौरान आपको जो कुछ खाना-पीना होता है, वह काफी महंगा होता है। यह डाइटिंग के बारे में सबसे आम और गलत धारणाओं में से एक है। डाइटिंग में आप फल, सब्जियां और दाल खा सकते हैं। यह सभी आम चीजें हैं, जो बाजारों में सामान्य मूल्य पर आसानी से मिल जाती हैं। किसी बाहरी महंगी डाइट की तलाश की जगह आप घर पर इनसे रेसिपी बना सकते हैं।

मिथक 2- डाइटिंग के दौरान स्नैक्स न खाएं

जब भी कोई डाइटिंग के बारे में बात करता है तो लोगों को लगता है कि उसे अपने पसंदीदा स्नैक्स को खाना छोड़ना होगा। हालांकि, ऐसा नहीं है। एक अच्छी डाइट आपको न केवल पोषण देती है, बल्कि कभी-कभी पसंदीदा स्नैक्स खाने की अनुमति भी देती है, जिसे चीटिंग डे कहा जाता है। डाइटिंग और वर्कआउट करने वाले लोग वीकेंड पर चीट डे मना सकते हैं, जिसमें वह स्नैक्स के तौर पर कुछ भी खा सकते हैं।

मिथक 3- खाना नहीं खाने से वजन कम होगा

बहुत से लोग पूरे दिन में किसी एक समय का खाना नहीं खाने को डाइटिंग समझते हैं, लेकिन यह सिर्फ खाने से जुड़ा मिथक है। डाइटिंग का मतलब खाना छोड़ना नहीं होता है। इसका मतलब है कि आप नियमित समय पर ऐसा खाना खा रहे हैं, जो सही मात्रा में आपको जरूरी पोषण दे रहा है। इस वजह से खाना छोड़ना अनहेल्दी है और वजन घटाने का गलत तरीका है।

मिथक 4- सप्लीमेंट्स से हो सकते हैं पतले

आजकल बाजार में ऐसे कई सप्लीमेंट्स मौजूद हैं, जो वजन घटाने का दावा करते हैं। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञ वजन घटाने के लिए इन सप्लीमेंट्स की सलाह बिल्कुल नहीं देते हैं। ऐसे सप्लीमेंट्स, जो कुछ ही महीनों के अंदर वजन घटाने का दावा करते हैं, उनमें मौजूद तत्व बाद में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। इनका सेवन करने की बजाय आप डॉक्टर की सलाह लेकर स्वस्थ डाइट का पालन करें।

मिथक 5- रात के 8 बजे के बाद खाना खाने से वजन बढ़ेगा

वजन बढ़ना या कम होना यह पूरी तरह से कैलोरी के सेवन पर निर्भर करता है। यदि आप डॉक्टर के मुताबिक अपनी डाइट का पालन कर रहे हैं तो देर से खाना खाने से आपकी फिटनेस पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, रात का खाना जल्दी खा लेना स्वस्थ माना गया है क्योंकि इससे पाचन ठीक रहता है, लेकिन इसका वजन कम करने में मदद करने से कोई लेना-देना नहीं है।

क्या है वर्टिगो? ये है इसके कारण, लक्षण और इलाज

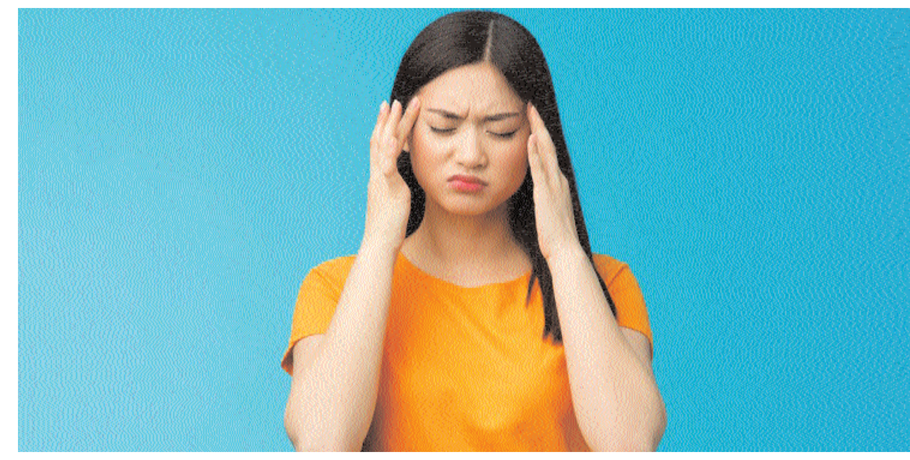

अगर चलते-चलते आपका सिर घुमने लगता है या शारीरिक संतुलन बनाए रखने में समस्या होती है तो ये वर्टिगो के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, कई लोगों को वर्टिगो के बारे में पता नहीं चलता और स्थिति गंभीर होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आपको इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें पता हों, ताकि वक्त रहते इसका इलाज किया जा सके। चलिए आज वर्टिगो के कारण, लक्षण और इलाज के उपाय जानते हैं।

वर्टिगो के लक्षण

वर्टिगो कोई बीमारी नहीं, बल्कि कई बीमारियों का लक्षण है। चक्कर आना, ठीक से सुनाई न देना, धुंधला दिखना, सिरदर्द और बोलने में परेशानी होना वर्टिगो के मुख्य लक्षणों में शामिल समस्याएं हैं। थकान महसूस करना, मतली और कान से जुड़ी परेशानी होना भी वर्टिगो के लक्षण हो सकते हैं। अगर आपको ये लक्षण दिखें तो इन्हें नजरअंदाज करने की बजाय तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

वर्टिगो होने के कारण

कान की समस्याएं और सिर में चोट लगना वर्टिगो का कारण बन सकती हैं। कई दवाएं भी इसे ट्रिगर कर सकती हैं। इससे आपके कान के कामकाज प्रभावित हो सकते हैं। वेस्टिबुलर तंत्रिका में सूजन या दबाव और कान में जलन या सूजन की वजह से भी वर्टिगो हो सकता है। रक्त वाहिका संबंधी रोग, शराब का अधिक सेवन, मल्टीपल स्क्लेरोसिस (ऑटोइम्यून बीमारी), कैंसर और माइग्रेन जैसी बीमारियां भी वर्टिगो का कारण बन सकती हैं।

वर्टिगो के लिए प्रभावी इलाज

वर्टिगो का इलाज स्थिति पर निर्भर करता है। इससे ग्रस्त लोगों को पेशेवर डॉक्टर्स से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपके लक्षणों और आयु के आधार पर वर्टिगो का इलाज कर सकते हैं। कुछ दवाएं भी इसके लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकती हैं। अगर आपका वर्टिगो ब्रेन ट्यूमर या गर्दन की चोट के कारण है तो सर्जरी आवश्यक हो जाती है।

वर्टिगो से जुड़े भ्रम और उनकी सच्चाई

भ्रम- वर्टिगो चक्कर आने जैसा ही है सच्चाई- कई लोग मानते हैं कि वर्टिगो चक्कर आने जैसा ही है, जबकि ऐसा नहीं है। चक्कर आना और वर्टिगो अलग है। भ्रम- वर्टिगो केवल उन्हीं को होता है, जिन्हें ऊंचाई से डर लगता है सच्चाई- यह भी भ्रम है कि वर्टिगो केवल ऊंचाई से डरने वालों को होता है। ऊंचाई से डरने वाले लोग तनाव प्रतिक्रिया के रूप में वर्टिगो का अनुभव कर सकते हैं। हालांकि, दोनों स्थितियां अलग-अलग हैं।

इनसोम्निया के प्रभाव को कम करने में प्रभावी हो सकते हैं ये 5 योगासन

इनसोम्निया यानी अनिद्रा नींद से जुड़ा विकार है। इससे ग्रस्त व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है। इस कारण शरीर को आवश्यकतानुसार आराम नहीं मिल पाता और इससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। तनाव, मॉर्डन गैजेट्स का अधिक इस्तेमाल, बीमारियों का दुष्प्रभाव या गलत खान-पान आदि इस विकार को जन्म दे सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे योगासनों के बारे में बताते हैं, जिनका नियमित अभ्यास इस विकार से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है।

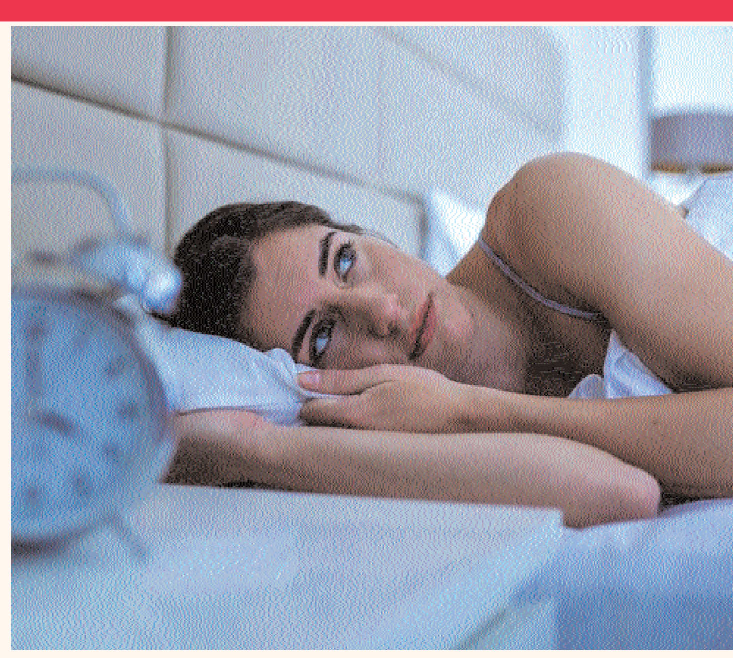

हलासन

हलासन करने के लिए योगा मैट पर पीठ के बल सीधे लेट जाएं, फिर अपने हाथों को शरीर से सटाकर रखें। अब सांस लेते हुए पैरों को 90 डिग्री तक ऊपर उठाएं और फिर सांस छोड़ते हुए टांगों को धीरे-धीरे सिर के ऊपर से पीछे की ओर ले जाएं। इस दौरान हाथों को कमर से हटाकर जमीन पर सीधा ही रखें। इसके बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे वापस शुरुआती अवस्था में आ जाएं।

बालासन

बालासन के लिए योगा मैट या दी पर वज्रासन की मुद्रा में बैठें और गहरी सांस लेते हुए हाथों को ऊपर उठाएं, फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुककर सिर को जमीन से सटाएं। इस अवस्था में दोनों हाथ सामने, सिर जमीन से लगा हुआ और छाती जांघों पर रहेगी। कुछ सेकंड इसी मुद्रा में रहकर सामान्य रूप से सांस लेते रहें। धीरे-धीरे आसान छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में आ जाएं।

विपरीतकरणी आसन

सबसे पहले योगा मैट या दरी पर सीधे पीठ के बल लेट जाएं। अब अपने पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की तरफ उठाकर 90 डिग्री का कोण बना लें। ध्यान रखें कि आपके तलवे ऊपर की ओर होने चाहिए। इसके बाद अपने नितंब को ऊपर उठाने की कोशिश करें। इस मुद्रा में कम से कम दो-तीन मिनट तक रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। इसके बाद दोबारा इस योगासन का अभ्यास करें।

सुप्त बद्धकोणासन

सुप्त बद्धकोणासन के लिए योगा मैट या दरी पर पीठ के बल लेट जाएं और फिर अपने दोनों हाथों और पैरों को अपनी क्षमतानुसार फैला लें। अब पैरों को घुटनों से मोड़कर अपने दोनों तलवों को आपस में मिला लें। इस दौरान अपनी दोनों आंखों को बंद करके सामान्य गति से सांस लेते रहें। कुछ सेकंड के बाद आसन को धीरे-धीरे छोड़ दें। आप चाहें तो अपनी पीठ के नीचे सपोर्ट के लिए कोई मुलायम तकिया भी रख सकते हैं।

शवासन

योगा मैट पर आराम मुद्रा में लेट जाएं और आंखें बंद कर लें। अब दोनों हथेलियों को शरीर से लगभग एक फीट की दूरी पर रखें। इसके अलावा पैरों को भी एक-दूसरे से लगभग दो फीट की दूरी पर रखें। इसके बाद धीरे-धीरे सांसें लें और पूरा ध्यान सांस पर लगाने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में बने रहने के बाद आखों को धीरे-धीरे खोलें। अंत में दाईं ओर करवट लेकर उठें और आसन को छोड़ दें।

अदाकारी के बाद निर्देशन में कदम रखने जा रहीं राधिका आप्टे

अपनी अलग अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही फिल्म कोट्या से निर्देशन में डेब्यू करने जा रही हैं। राधिका आप्टे ने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है। उन्होंने पिछले कुछ सालों में पैडमैन, अंधाधुन, मोनिका और माय डार्लिंग जैसी फिल्मों में बेहतरीन काम किया है। अब राधिका आप्टे एक्शन-फंतासी फिल्म के साथ निर्देशन में कदम रखने जा रही हैं।

खबरों के मुताबिक राधिका आप्टे की फिल्म कोट्या एक हिंदी/मराठी एक्शन-फंतासी है। इसमें एक प्रवासी नौजवान की कहानी दिखाई गई है। नायक एक गन्ना काटने वाला शख्स है। जबरदस्ती की एक चिकित्सा प्रक्रिया के बाद नौजवान को कुछ ताकतें मिलती हैं। इसके बाद वह उन ताकतों का इस्तेमाल अपने परिवार का कर्ज उतारने के लिए करता है। फिल्म का प्रोडक्शन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं।

रिधिका के काम की बात करें तो वह हाल ही में सिस्टर मिडनाइट में नजर आईं थीं। इस फिल्म को कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। फिल्म को बाफ्टा अवॉर्ड के नामांकित किय गया था। राधिका को बीआईएफए अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया था। राधिका ने फिल्म में उस महिला का किरदार निभाया था जिसे जबरदस्ती अरेंज मैरिज में घसीटा जाता है।

राधिका आप्टे ने साल 2012 में शादी कर ली थी। पिछले साल राधिका आप्टे ने अपने पति बेनेडिक्ट के साथ अपने बच्चे का स्वागत किया था। इंस्टाग्राम पर राधिका ने एक नवजात बच्चे की तस्वीर साझा की थी। इसमें वह बच्चे को स्तनपान करा रही थी। फोटो में छुट्टी के बाद काम पर उनकी वापसी को दिखाया गया था।

एथनिक आउटफिट में भूमि पेडनेकर का दिखा कातिलाना अवतार, एक्ट्रेस की शोख अदाओं पर दिल हार गए फैंस

बी-टाउन की खूबसूरत और ग्लैमरस अदाकारा भूमि पेडनेकर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

भूमि पेडनेकर की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने बेहद ही खूबसूरत ग्रीन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों का बन बनाकर, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक यूजर ने एक्ट्रेस की इस फोटो पर कॉमेंट करते हुए लिखा है-टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- इतनी खूबसूरती हो आप, आखिर राज क्या है। तीसरे यूजर ने लिखा है- एलिगेंट एंड अमेजिंग।

क्या साबुन से सिर धोना सुरक्षित है?

शैंपू स्कैल्प और बालों को साफ करने और बालों का झड़ना रोक सकता है। हालांकि, जब तक शैंपू का आविष्कार नहीं हुआ था तब तक साबुन से सिर धोना एक आम बात थी। अभी तक कई लोग साबुन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या साबुन बालों को नुकसान पहुंचा सकता है? या सस्ता और सुरक्षित शैम्पू एक अच्छा विकल्प है? आइए जानते हैं सिर के लिए साबुन कितना सुरक्षित है।

साबुन से होने वाले नुकसान

साबुन से सिर धोना सुरक्षित नहीं है क्योंकि इसे त्वचा के पीएच स्तर को ध्यान में रखते हुए बनाए जाते हैं और स्कैल्प का पीएच अलग होता है, जिसके कारण बालों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बालों का उलझना ज्यादा हो सकता है। इसके अतिरिक्त, साबुन में शैंपू की तरह स्कैल्प और बालों को कंडीशनिंग करने के गुण नहीं होते हैं। नतीजन, बाल रूखे हो सकते हैं और उनके टूटने की संभावना भी बढ़ जाती है।

साबुन में होती हैं ये सामग्रियां

पशु वसा या वनस्पति तेल जैसे नारियल और जैतून का तेल। हालांकि, कैस्टाइल साबुन पशु वसा और सिंथेटिक सामग्री से मुक्त होते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें लाइ या सोडियम हाइड्रॉक्साइड या पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड, पानी, प्रिजर्वेटिव, आर्टिफिशियल रंग और आर्टिफिशियल सुंगध होती है, जो बालों के साथ-साथ त्वचा के लिए भी सही नहीं है। हालांकि, कुछ ऐसे साबुन भी होते हैं, जिनका इस्तेमाल आप बालों पर कर सकते हैं।

सिर धोने के लिए किन साबुन का किया जा सकता है इस्तेमाल?

आजकल मार्केट में कई ऐसे साबुन भी मौजूद हैं, जिन्हें बालों की सफाई के लिए ही बनाया गया है। ये स्कैल्प के खुरदरेपन को कम करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए रीठा, आंवला और शिकाकाई जैसी सामग्रियों से युक्त साबुन का इस्तेमाल सभी प्रकार के बालों को धोने के लिए किया जा सकता है। ये साबुन मॉइस्चराइजिंग अवयवों से भरे होते हैं और नियमित शैंपू की तरह बालों की प्राकृतिक नमी को नहीं छीनते हैं।

साबुन की जगह शैंपू का ही करें इस्तेमाल

अगर आपकी आसपास शैंपू आसानी से उपलब्ध है तो साबुन की जगह शैंपू ही खरीदें क्योंकि इन्हें स्कैल्प और बालों की जरूरत के हिसाब से अलग-अलग बनाया जाता है। हालांकि, अगर आपको नहीं पता कि किस तरह के शैंपू का इस्तेमाल करना सही है तो हर्बल शैंपू आपके लिए सही रहेगा। यह बालों के विकास को बढ़ावा देगा, डैंड्रफ को कम करेगा और बालों के झड़ने को रोकने सहित बालों में चमक लाने में मदद कर सकता है।

सरकार की योजनाओं को लक्ष्य बनाकर गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए- महेश कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक जिला कार्यालय के सभा कक्ष में सांसद बस्तर महेश कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से सरकार की योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिये। जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया गया। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य सरकार की नियद नेल्लानार और पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास, नलजल योजना एवं संचालित योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। सांसद महेश कश्यप ने जिला पंचायत द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए जिले के पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकित कर सभी योजनाओं से लाभान्वित करने आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने वनाधिकार पट्टा, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री जनमन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी लेकर सभी कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिये।

इसी प्रकार समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा, राष्ट्रीय विधवा, वृद्धा, नि:शक्तजन, मुख्यमंत्री पेंशन योजना और जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित शुद्ध पेयजल घर घर तक पहुंचाने के कार्यों की जानकारी लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता को कार्य में प्रगति लाने निर्देशित किये। कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जिले में लाभान्वित कृषकों की प्रीमियम राशि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित संस्थागत प्रसव, शिशु स्वास्थ्य टीकाकरण, कुपोषण, पोषण पुनर्वास केन्द्र, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक एवं जिले में संचालित उप एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की जानकारी ली।

सांसद कश्यप ने दिशा की बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए महतारी वंदन योजना के माध्यम से जिले की महिलाओं को भुगतान की गई राशि संबंधित जानकारी ली। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन, नोनी सुरक्षा और पूरक पोषण आहार योजना से लाभान्वित बच्चों की जानकारी एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अंतर्गत बीपीएल परिवारों को दी जाने वाली गैस कनेक्शन संबंधी जानकारी ली। जिले में संचालित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत जिले के बेरोजगारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने हेतु कार्य योजना तैयार करने नर्देशित किये।

उन्होंने जिले में संचालित तहसील कार्यालयों की जानकारी लेते हुए तहसील ओरछा के भूमि का सर्वेक्षण किये जाने संबंधी समीक्षा की। सांसद श्री कश्यप ने अबुझमाड़ क्षेत्र के पहुंचविहीन गावों में विद्युतीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण करने निर्देश दिये। जिले के किसानों को रबि फसलों में वृद्धि करने के लिए एनिकट और स्टॉप डेम निर्माण कर किसानों को फसल उगाने हेतु प्रोत्साहित करने निर्देशित किया। प्रधानमंत्री कृषि सूक्ष्म सिचांई योजना के तहत् दी जाने वाली अनुदान राशि संबंधी जानकारी ली।

सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए सांसद श्री महेश द्वारा जिले के प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुधारने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग और मुख्य जिला मार्ग से जुड़े सभी महत्वपूर्ण जंक्शनों पर सुधार कार्य करने, दुर्घटनाजन्य स्थलों और खतरनाक मोड़ों पर सुरक्षा उपाय लागू करने तथा घनी आबादी वाले शहरों और गांवों के चौक-चौराहों पर ट्रैफिक स्टॉपर्स एवं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। अतिभारित ट्रकों और टूलरों पर निगरानी बढ़ाने, ट्रकों की बॉडी से बाहर निकले सामान और बिना तिरपाल के खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर सख्ती बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने बैठक में शहर के अंदर यातायात दबाव कम करने के लिए बायपास रोड के निर्माण और शहर में सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था विकसित करने पर चर्चा की। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये। सांसद महेश कश्यप ने दिशा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने निर्देशित किया।

विधायक बोहरा ने विधानसभा में नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के प्रकरणों का मुद्दा उठाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा में पीएम ग्राम सड़क योजना, स्वास्थ्य सुविधाओं और दुर्ग रेंज में नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के प्रकरणों का विधानसभा में उठाया मुद्दा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा में हो रहे विकास कार्यों और स्वास्थ्य योजनाओं के संचालन के संबंध में आज विधानसभा में प्रश्न पूछा इसके साथ ही उन्होंने दुर्ग संभाग अंतर्गत नागरिकों से हुई धोखाधड़ी और उस पर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई एवं नागरिकों से हुई धोखाधड़ी में रिकवरी पैसों के संबंध में प्रश्न किया।

भावना बोहरा ने प्रश्न पूछा कि दुर्ग रेंज में नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में दिनांक 1 जनवरी, 2024 से दिनांक 1 फरवरी, 2025 तक किन-किन चिटफंड कंपनियों या संस्थाओं के खिलाफशिकायत प्राप्त हुई है? शिकायत पश्चात उनके विरुद्ध क्या-क्या कार्रवाई करते हुए कितने आरोपी गिरफ्तार किये गए? कितने व्यक्तियों की कितनी राशि की रिकवरी की गई? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा जी ने बताया कि उक्त अवधि में दुर्ग संभाग में धोखाधड़ी के कुल 7 प्रकरण सामने आए हैं जिसमें से 2 पर अपराध पंजीबद्ध किये गए हैं वहीं बाकि 5 प्रकरण पूर्व में अपराध पंजीबद्ध है जो विवेचना में हैं। इन प्रकरणों में कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और कोई भी राशि की रिकवरी नहीं की गई है। भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा में नागरिकों के सुगम आवागमन के लिएविधानसभा अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगते हुए प्रश्न पूछा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत पांच वर्ष पूर्ण किये जा चुके सड़कें कितनी हैं? पांच वर्ष पूर्ण कर ली गई कितनी सड़कों का मरम्मत/नवीनीकरण कार्य विभाग की ओर से प्रस्तावित है एवं इनमें से कितनी सड़कों का मरम्मत/नवीनीकरण कार्य स्वीकृत हो गया है? शेष बची सड़कों का मरम्मत/नवीनीकरण कार्य कब तक पूर्ण हो जावेगा? इसके प्रतिउत्तर में लिखित रूप से उप मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत पंडरिया विधानसभा में कुल 147 सड़कें है। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में 05 वर्ष पूर्ण कर ली गई 147 सड़कों में से 119 सड़कों में मरम्मत/नवीनीकरण कार्य की स्वीकृति विभिन्न वर्षों में दी जा चुकी है एवं वर्ष 2024-25 में मरम्मत/नवीनीकरण कार्य के लिये 13 सड़कें विभाग की ओर से प्रस्तावित होने उपरांत स्वीकृत है। शेष सड़कों के मरम्मत/नवीनीकरण कार्य की स्वीकृति बजट उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। उन्होंने जवाब में बताया कि कवर्धा विकासखंड अंतर्गत कुल 25 सड़कें जिसकी लम्बाई 97.99 किलोमीटर, पंडरिया विकासखंड अंतर्गत 88 सड़कें जिसकी कुल लम्बाई 429.65 किलोमीटर एवं सहसपुर लोहरा विकासखंड अंतर्गत 34 सड़कें जिसकी लम्बाई 110.25 है इस प्रकार कुल 637.88 किलोमीटर सड़कें हैं।

जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता और विश्वास पैदा करने लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मनोज दानी के मार्गदर्शन में आज 7 वें जन-औषधि दिवस के अवसर पर जगह जगह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। देशवासियों में जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता और विश्वास पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 मार्च को देश भर में जन औषधि दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में नेहरू नगर भिलाई के भेलवा तालाब गार्डन में भी सुबह 7 बजे से 9 बजे तक स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। देश में 15000 से अधिक जन-औषधि केन्द्र, 50 से 90 प्रतिशत तक सस्ती दवाएँ, 2000 से अधिक जैनरिक दवाएं, कैंसर की सस्ती दवाएं एवं उच्च गुणवत्ता की डब्लूएचओ और एनएबीएल प्रमाणित दवाएँ उपलब्ध हैं।

2027 तक देश में 25 हजार जन-औषधि केन्द्र स्थपित करने का लक्ष्य है। शिविर के दौरान नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडे एवं औषधि निरीक्षक ईश्वरी नारायण सिंह की उपस्थिति में बीपी, शुगर और थायराइड की नि:शुल्क जांच करते हुए जनऔषधि की गुणवत्ता और कम कीमतों की जानकारी दी गई। क्षेत्र के सैकड़ों वरिष्ठजनों ने इसका लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में भिलाई क्षेत्र के जनऔषधि संचालक डोमेंद्र कुर्रे, सुबीर खंडेलवाल, बिप्लब हलधर, टिकेश्वर साहू, जीतुराम साहू, आदित्य गायकवाड़, प्रीतम साहू, अभिषेक कुर्रे ने सहयोग दिया।

दुर्ग नगर निगम के श्याम शर्मा बने नए सभापति

37 वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी भास्कर कुंडले को किया पराजित, चुनाव में निर्दलीय पार्षदों ने भी भाजपा का दिया साथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के नए सभापति श्याम शर्मा बने है। शुक्रवार को सभापति पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी श्याम शर्मा ने कांग्रेस प्रत्याशी भास्कर कुंडले को 37 वोटों के बड़े अंतर से पराजित किया। चुनाव में श्याम शर्मा को 49 वोट मिले, जबकि भास्कर कुंडले को मात्र 12 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। महापौर अलका बाघमार समेत सभी 60 पार्षदों ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लिया। निगम के नए परिषद् में भाजपा का बहुमत है।

कुल 60 पार्षदों में भाजपा के 40 पार्षद चुनाव जीतकर आए है, वहीं 12 कांग्रेस व 8 निर्दलीय पार्षद जीत दर्ज करने में सफल रहे थे। चुनाव में खास बात यह रही कि निर्दलीय पार्षदों ने भी भाजपा के पक्ष में वोट किया है, वहीं कांग्रेस अपने 12 पार्षदों को एकजुट रखने में सफल रही। श्याम शर्मा के सभापति निर्वाचित होने से निगम की शहरी सरकार में महापौर व सभापति पद पर भाजपा का कब्जा हो गया है। नगर निगम के

नवनिर्वाचित सभापति श्याम शर्मा वार्ड-30 से बड़े अंतर से चुनाव जीतकर निगम के सदन में पहुंचे है। उन्हें दूसरी बार पार्षद बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। सभापति पद पर जीत से भाजपा में खुशियों का माहौल है। नए सभापति श्याम शर्मा को बधाईयों का तांता लगा हुआ है। इसके पहले शुक्रवार की सुबह दुर्ग नगर निगम मुख्यालय स्थित सभागार में जिला कलेक्टर व पीठासीन अधिकारी अभिजीत सिंह व नगर निगम आयुक्त सुमीत अग्रवाल की मौजूदगी में सभापति पद के चुनाव के लिए दोपहर 12 बजे से नामांकन की प्रक्रिया शुरु हुई। भाजपा से श्याम शर्मा व कांग्रेस से भास्कर कुंडले द्वारा नामांकन दाखिल किए गए। चुनाव में दो प्रत्याशी होने से मतदान की स्थिति बनी। मतदान उपरांत परिणाम की घोषणा की गई। भाजपा के श्याम शर्मा को सभापति पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। नगर निगम मुख्यालय परिसर में मतदान के दौरान भाजपा व कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता सक्रिय रहे। भाजपा के सभी 40 पार्षद विधायक गजेन्द्र यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, महापौर अलका बाघमार के साथ बस में सवार होकर एक साथ मतदान करने निगम पहुंचे थे। वहीं कांग्रेस से प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजेन्द्र साहू, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, पूर्व सभापति राजेश यादव, कांग्रेस नेता दीपक दुबे, जिला युकां अध्यक्ष आयुष शर्मा, गौरव उमरे व अन्य नेता निगम परिसर में सक्रिय रहे। भाजपा के श्याम शर्मा के सभापति निर्वाचित होने के बाद प्रदेश भाजपा द्वारा सभापति चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए संजय श्रीवास्तव, विधायक ललित चंद्राकर, सहकारिता नेता प्रीतपाल बेलचंदन, भाजपा नेता कांतिलाल बोथरा, संजय बघेल, संतोष सोनी, महेन्द्र लोढ़ा, संजय बोहरा, आशीष निमजे, मनीष भंडारी, चैनसुख भट्टड़, डोमार सिंह वर्मा, राजेश ताम्रकार, गणेश निर्मलकर के अलावा अन्य भाजपा कार्यकर्ता निगम मुख्यालय पहुंचे और जीत पर श्याम शर्मा को बधाई व शुभकामनाएं दी। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा नए सभापति श्याम शर्मा का भव्य स्वागत कर ढोल बाजा में नाच गाकर अपनी खुशियों का ईजहार किया गया।

सिंचाई विस्तार के लिए 9 करोड़ 15 लाख रूपए का बजट में प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने बजट में जिले के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए कई अहम घोषणाएँ की हैं। कवर्धा विधानसभा के विकास को गति देने के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से जलाशय परियोजना, नहर निर्माण और नहर लाइनिंग कार्यों, वर्ष 2025-26 के लिए 09 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने जन आकांक्षाओं के अनुरूप जलाशय, नहर निर्माण और नहर लाइनिंग परियोजना की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से विशेष अनुरोध किया था। जलाशय परियोजना से पानी का संचयन बेहतर तरीके से हो सकेगा, जिससे पानी की कमी वाले क्षेत्रों में सिंचाई के लिए जल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नहर निर्माण और नहर लाइनिंग कार्यों से नहरों के पानी के प्रवाह में सुधार होगा, जिससे खेतों तक जल का सही तरीके से वितरण संभव होगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल किसानों को राहत मिलेगी, बल्कि यह जल संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

छत्तीसगढ़ सरकार के बजट में जिले के सरोदा जलाशय मध्यम सिंचाई परियोजना के नहर प्रणाली का पुराने पक्के संरचनाओं का पुर्ननिर्माण तथा नवीन संरचनाओं एवं नहरों सी.सी लाईनिंग कार्य राशि 20 लाख, विकासखण्ड सहसपुर लोहारा अंतर्गत सुतियापाट जलाशय मध्यम परियोजना के बायीं तट मुख्य नहर का विस्तारीकरण तथा माईनर नहरों का निर्माण के लिए 05 करोड़ रूपए, केर्रानाला बैराज मध्यम सिंचाई परियाजना के नहर प्रणाली का पुराने पक्के संरचनाओं का पुर्ननिर्माण तथा नवीन संरचनाओं एवं नहरों का सी.सी. लाईनिंग कार्य के लिए 55 लाख रूपए, छिरहा डायवर्सन के गेट उन्नयन एवं नहर लाईनिंग कार्य एवं पक्के संरचनाओं का निर्माण कार्य, दमऊनाला व्यपवर्तन के नहर लाईनिंग का कार्य के लिए 40-40 लाख रूपए, छीरपानी जलाशय सुदृढ़ीकरण कार्य राशि 01 करोड़ रूपए, विकासखण्ड सहसपुर लोहारा की नीर जलाशय का निर्माण कार्य, विकासखण्ड कवर्धा के कोयलारी व्यपवर्तन के शीर्ष एवं नहरों का निर्माण कार्य के लिए 80-80 लाख रूपए राशि का प्रावधान किया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और वित्तमंत्री श्री ओपी चौधरी का आभार जताया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस बजट के प्रावधान से जल प्रबंधन में सुधार होगा और किसानों को सिंचाई के लिए जल की बेहतर आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार निरंतर कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत है और इन परियोजनाओं से किसानों के जीवन स्तर में सुधार होगा। यह बजट स्वीकृति न केवल एक बड़ी वित्तीय उपलब्धि है, बल्कि यह राज्य सरकार के विकास कार्यों की गति को और तेज करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सरकार के इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह राज्य के कृषि और जल संसाधन के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह परियोजना कवर्धा विधानसभा के जल संसाधनों के प्रबंधन और किसानों की बेहतरी के लिए एक अहम कदम है।

जिला चिकित्सालय में मनाया गया 7वां जन औषधि दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिला चिकित्सालय कबीरधाम में 7 वां जन औषधि दिवस धूमधाम से मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बी.एल. राज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. शामिल हुए। डॉ. बी.एल. राज ने प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत जन औषधि के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से कम मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। ये दवाइयां बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत कम कीमत पर मिलती हैं और इनके प्रभाव में कोई अंतर नहीं होता। इस अवसर पर डॉ.सलिल मिश्रा शिशुरोग विशेषज्ञ, डॉ. हर्षित टुवानी जिला नोडल अधिकारी, डॉ. अर्पित यादव शल्य रोग विशेषज्ञ, अरुण पवार अस्पताल सलाहकार, बालाराम साहू जिला समन्वयक रेडक्रास, वीरेंद्र बंजारे और हरीश साहू उपस्थित थे।

जन औषधि दिवस 1 मार्च से 7 मार्च तक दाम कम, दवाई उत्तम थीम के तहत मनाया गया। इस सप्ताह का उद्देश्य जन औषधि के माध्यम से लोगों को सस्ती और प्रभावी दवाइयों के बारे में जागरूक करना है। इस दिन विशेष रूप से जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध प्रोटीन पाउडर, पोषण पाउडर, बच्चों के लिए डायपर, सुगर और बीपी की दवाइयां जैसे उत्पादों की जानकारी दी गई। डॉ. बी.एल. राज ने बताया कि जन औषधि केंद्रों में उपलब्ध दवाइयां सामान्य बाजार मूल्य से काफी सस्ती होती हैं, जिससे आम आदमी को आर्थिक रूप से राहत मिलती है। इन दवाइयों में उच्च गुणवत्ता का मानक भी बनाए रखा गया है। जन औषधि केंद्रों की पहुंच को बढ़ाने के लिए जिले में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में कबीरधाम जिले के कवर्धा, पंडरिया, पिपरिया और कुकदुर में जन औषधि केंद्र संचालित हैं और जल्द ही सलोहारा में भी यह केंद्र प्रारंभ होने वाला है।

सेजेस कंडेल में तनाव मुक्त परीक्षा दे रहे हैं परीक्षार्थी

धमतरी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा संचालित हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 परीक्षा केंद्र सेजेस कंडेल में परीक्षार्थी पूर्णत: तनावमुक्त होकर प्रसन्नतापूर्वक परीक्षा दिला रहे हैं। कक्षा दसवीं व कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा हेतु छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा परीक्षा केंद्र सेजेस कंडेल में रोहित कुमार साहू व्याख्याता शास.उमावि.बिरेतरा को केन्द्राध्यक्ष बनाए गए हैं ने बताया कि केंद्र में हाईस्कूल कक्षा दसवीं में कुल 133 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं जिसमें से सेजेस कंडेल के 56 हाईस्कूल झिरिया से 44 हायर सेकेण्डरी भोथली से 30 व 3 परीक्षार्थी क्रेडिट के तहत शामिल हो रहे हैं इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी कक्षा बारहवीं में कुल 174 परीक्षार्थी में से 122 सेजेस कंडेल 49 हायर सेकेण्डरी स्कूल भोथली व 3 परीक्षार्थी क्रेडिट के तहत शामिल हो रहे हैं।

केन्द्राध्यक्ष रोहित साहू ने बताया कि उनका प्रथम उद्देश्य परीक्षार्थियों के चेहरे पर मुस्कुराहट बिखेरना है इसके लिए परीक्षा के डर को दूर करने व तनाव भगाने के लिए परीक्षा दिवस को परीक्षा कक्ष में बैठने के पूर्व परीक्षार्थियों के साथ अपनत्व भाव से स्वास्थ्य, खानपान व घरेलू हालात पर बातचीत की जाती है साथ ही परीक्षा पश्चात अगले पेपर की तैयारी हेतु आवश्यक टिप्स व बेहतर तैयारी करने प्रेरित किया जाता है।उक्त परीक्षा के सफल संचालन में सहायक केन्द्राध्यक्षों संतोष साहू, संतोष यादव, लिपिक कार्य में हेमलता सोनी, पर्यवेक्षकों में सेजेस कंडेल, हाईस्कूल झिरिया, सफाई व अन्य कार्यों में संलग्न चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

छत्तीसगढ़ में 40 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया सरेंडर, सीएम साय बोले- मार्च 2026 तक खात्मा तय

नक्सलियों ने पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों के समक्ष किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को यहां 11 नक्सलियों ने हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में प्रवेश किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 7 महिलाएं भी शामिल हैं। इन सभी पर कुल मिलाकर 40 लाख रुपए का इनाम घोषित था। नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा तय है।

नारायणपुर के एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि इन नक्सलियों ने पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सली उत्तरी बस्तर और माड़ डिवीजन में सक्रिय थे. इनमें प्रमुख रूप से सन्नू उर्फ मंगेश उपेंडी (38) और संतू उर्फ बदरू वडादा (35) पर 8-8 लाख रुपये का इनाम, जनिला उर्फ जलको कोरमा (36) पर 5 लाख रुपए का इनाम, चार नक्सलियों पर 3-3 लाख रुपये का इनाम और

तीन नक्सलियों पर 2-2 लाख और एक नक्सली पर 1 लाख रुपये का इनाम था।

नक्सलवाद के खिलाफ 'माड़ बचाओ अभियान' का असर

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि नारायणपुर पुलिस और आईटीबीपी की कड़ी मेहनत के कारण यह आत्मसमर्पण संभव हो पाया। उन्होंने कहा, इस आत्मसमर्पण से शीर्ष नक्सली नेतृत्व को बड़ा झटका लगा है। 'माड़ बचाओ अभियान' के तहत अबूझमाड़ को नक्सल मुक्त बनाने का सपना अब साकार होता दिख रहा है। पुलिस के अनुसार, इन सभी नक्सलियों को तत्काल पुनर्वास सहायता के रूप में 25,000 रुपए दिए गए हैं। सरकार की नक्सली आत्मसमर्पण नीति के तहत इन्हें और सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर सामान्य जीवन व्यतीत कर सकें।

अमानवीय नीतियों से निराश होकर किया सरेंडर

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने कहा कि वे माओवादी विचारधारा की खोखली और अमानवीय नीतियों से निराश हो चुके थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वरिष्ठ नक्सली कैडर भोले-भाले आदिवासियों का शोषण कर रहे थे। इसके अलावा, सुरक्षा बलों की बढ़ती उपस्थिति और सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों ने भी उन्हें मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया। नक्सलियों ने खासतौर पर 'नियद नेल्लानार' योजना की सराहना की, जिसके तहत अबूझमाड़ के दुर्गम इलाकों में विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है. इस योजना के तहत सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है. इससे आदिवासी समुदाय की जीवनशैली में सुधार हो रहा है।

नक्सलवाद में फंसे लोग समाज की मुख्यधारा में लौट रहे- सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि नक्सल विचारधारा से क्षुब्ध और छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नारायणपुर जिले में 40 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। बस्तर में कैंसर रूपी नक्सलवाद के ताबूत पर आखिरी कील ठोंकने का काम हमारी डबल इंजन की सरकार कर रही है। इसके कुचक्र में फंसे लोग अब पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, जो स्वागतेय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा तय है। बस्तर संभाग के सुदूर अंचलों में हमारी सरकार द्वारा लगातार नए सुरक्षा कैंप स्थापित करने, नियद नेल्ला नार योजना से सड़क निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से लोगों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। हमारी सरकार, नक्सलवाद का दामन छोड़ मुख्यधारा में आने वाले इन लोगों के पनरुत्थान के लिए तत्पर है।

खास खबर

चोरी की बाइक बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में चोरी की बाईक खपाने ग्राहक तलाश रहे एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के पास से मोटर सायकल बरामद कर उसे जेल भेज दिया है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक पुसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जेवरीडीह निवासी अलेख राम चैहान ने आज थाने में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया था कि कल सुबह वह अपनी काली-लाल रंग की मोटरसाइकिल (सीजी 13 ए.सी. 2075) लेकर मंगल बाजार बुनगा गया था। वाहन को रोड लॉक कर बाजार में खरीदारी के लिए गया, लेकिन लौटने पर बाइक गायब मिली। थाना पुसौर में अज्ञात आरोपी के खिलाफधारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुसौर थाना प्रभारी द्वारा सक्रिय किये गये मुखबिर से सूचना मिली कि चिखली बाजार के पास एक युवक राम सिदार 28 साल निवासी चिराईपानी संदिग्ध मोटरसाइकिल का ग्राहक तलाश रहा है। तत्काल घेराबंदी कर पुलिस टीम ने आरोपी राम सिदार को पकड़ा, जिसने पूछताछ में चोरी की बात कबूल ली। आरोपी ने बताया कि उसने मंगल बाजार बुनगा से बाइक चोरी कर उसे बेचने की योजना बनाई थी। पुसौर पुलिस ने आरोपी के निशानदेही में मोटर सायकल बरामद कर आरोपी को रिमांड में जेल भेज दिया है।

आईईडी ब्लास्ट में घायल दो मजदूरों में से एक की मौत, एक साल में 60 महिला माओवादी ढेर

जगदलपुर। नारायणपुर जिले के छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के अमदई खदान (निको कंपनी) में शुक्रवार की सुबह एक आईईडी ब्लास्ट में वहां काम कर रहे दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक मजदूर की मौत हो गई।

पुलिस के बढ़ते दबाव और नक्सलियों के गढ़ में लगातार घुसकर ढेर कर रही फोर्स के आक्रमण रवैये को देखते हुए दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन ने प्रेसनोट जारी करते हुए बताया कि, बीते सालभर में नक्सलियों ने 60 महिला लड़ाकों को खोया है, जिसको लेकर आठ मार्च को सभी मृत नक्सली महिलाओं की याद में संघर्षरत दिवस मनाने का आव्हान किया है। बता दें कि दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन ने जारी प्रेस नोट में स्वीकार किया है कि एक साल में हुई मुठभेड़ में 60 महिला नक्सली मारी गई हैं। बता दें कि 300 से अधिक नक्सली एक साल में मारे गए हैं।

इलेक्ट्रानिक दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

गरियाबंद। पांडुका-गरियाबंद मार्ग पर पांडुका थाने के पास स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में बीती रात आग लगने से पूरा सामान जलकर खाक हो गया है इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगभग 80 से 90 लाख का सामान रखा था। आग को धधकता देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। रात को खबर मिलते ही दुकान संचालक पहुंचे और फायर ब्रिगेड को फोन कर जानकारी दी।

मौके पर रात को गरियाबंद और राजिम से दो गाड़ी भी आई थी, पर आग इतनी भयानक लगी थी कि लगभग पूरा सामान जलकर राख हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही सुबह आसपास के लोगों की भीड़ भी इकट्ठा हो गई। दुकान संचालक लीलेश साहू ने बताया कि घटना लगभग रात 12 से 1 बजे के बीच की है। पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी के माध्यम से लगभग 1.30 बजे जानकारी मिली। शॉर्ट सर्किट नहीं हुई है, यह किसी की साजिश है। हालांकि इस मामले में पुलिस जांच के बाद ही मामले का खुलासा होगा।

हादसे में आरक्षक की मौत, परिवार में चीख-पुकार

- **कोरबा के बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र की घटना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बाकी मोगरा थाना अंतर्गत जावली मुख्य मार्ग पर देर रात सड़क दुर्घटना में एक पुलिस आरक्षक की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। जहां इस हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और तत्काल इसकी सूचना 112 को दी गई। जहां उसे कटघोरा स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने जांच के दौरान मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना बाकी मोगरा थाना पुलिस को दी गई। जहां घटना स्थल पर पहुंच पर घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बताया जा रहा है कि आरक्षक भूपेंद्र कंवर दीपका थाना में पदस्थ था। शुक्रवार

की दिन रात वह खाना खाने के बाद नाइट शिफ्ट में ड्यूटी करने अपने गृह ग्राम कटघोरा से दीपका थाना बाइक से जा रहा था । इस दौरान बाकी मोगरा थाना अंतर्गत जवाली मुख्य मार्ग तेज रफ्तार भारी वाहन की चपेट में आ गया। खून से लथपथ सड़क पर पड़ा रहा। जहां राहगीरों की नजर पड़ने पर तत्काल उसे 112 के माध्यम से अस्पताल के लिए रवाना किया गया। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना बाकी मोगरा थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी ली गई। आगे की जांच कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि आरक्षक के सिर पर चोट आई थी। जिसके चलते उसकी घटना स्थल पर मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद वाहन मौके से फरार हो गया है। जहां पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि मृतक आरक्षक की शादी हो चुकी है। पत्नी और दो बच्चे का पालन पोषण कर रहा था। इस घटना के बाद परिजन जब मौके पर पहुंचे। इस दौरान उनका बुरा हाल था। इस मामले में फिलहाल बाकी मोगरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पंचनामा कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों को शव सौपा जाएगा। वह इस घटना के बाद पुलिस परिवार में शोक की लहर है।

पिकअप वाहन में बने गुप्त चेंबर में छिपाया था 60 किलो गांजा, पुलिस की गिरफ्त में तस्कर

- **कबीरधाम के कुकदूर थाना क्षेत्र का मामला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी का भंडाफोड़ किया है। थाना कुकदूर पुलिस ने ओडिशा से मध्यप्रदेश जा रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 60 किलो गांजा और तस्करी में इस्तेमाल पिकअप वाहन जब्त किया गया। कुल जब्त संपत्ति की कीमत 8.15 लाख रुपए आंकी गई है।

पंडरिया एसडीओपी भूपत सिंह धनेश्री के नेतृत्व में टीम ने यह सफलता हासिल की। 7 मार्च को

पुलिस को सूचना मिली कि एक नीले रंग का पिकअप वाहन कवर्धा से शहडोल (मप्र) की ओर जा रहा है। वाहन में गांजे की बड़ी खेप छिपाकर ले जाई जा रही थी। सूचना मिलते ही थाना कुकदूर पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी। वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक-सीजी 17 केएल 4453 आता दिखा। पुलिस ने उसे रोका और चालक से पूछताछ की। आरोपी ने अपना नाम दुलबो बिसोई (21) निवासी संदूबली जिला कोटापुर (ओडिशा) बताया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को डाला के नीचे बने गुप्त चेंबर में गांजे के 12 पैकेट मिले।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे यह गांजा विद्याधर बत्रा निवासी चांदनी (ओडिशा) से मिला था। इसे शहडोल (मप्र) पहुंचाने के बदले उसे 15,000 रुपए मिलने थे। एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

चाकू की नोक पर मोबाइल की लूट, सड़क किनारे टहल रहे युवक को धमकाया

- **सिविल लाइन थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने आरोपी को दौड़ाकर पकड़ा,**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में लूट का मामला सामने आया है। शुक्रवार रात कटोरा तालाब के पास चाकू की नोक पर एक युवक से मोबाइल की लूट हुई। आरोपी ने राह चलते युवक से मोबाइल छीना और भाग निकला।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दिलीप महानंद नाम का युवक सड़क के किनारे टहलते हुए मोबाइल चला रहा था। तभी केशव सोनी नाम का पुराना बदमाश उसके पास आ गया। उसने चाकू दिखाकर डरा धमका कर मोबाइल लूट लिया।

मौके पर सिविल लाइन पेट्रोलिंग गुजर रही थी उसने मौजूद सिपाही आरोपी को सड़क में

दौड़ा कर पकड़ा है। भागने के दौरान आरोपी गाड़ी से भी टकराया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि केशव सिविल लाइन थाने का पुराना बदमाश है। उसके ऊपर मारपीट मामले के भी केस हैं जिसमें वह फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल पर बरामद कर लिया है। आरोपी को पुलिस ने लूट के मामले में जेल भेजा है।

चोरों ने सूने मकान को बनाया निशान, सोने-चांदी के जेवर और नकद रकम पर किया हाथ साफ

- **रायगढ़ जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की घटना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नगदी रकम, सोने-चांदी के जेवर समेत हजारों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पूरा परिवार सगाई कार्यक्रम में शहर से बाहर गए हुए थे। इसी बीच यह वारदात हुई है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, सिटी कोतवाली थाना में बसंत कुमार राठौर ने बताया कि वह सालासर स्टील एवं पावर लिमिडेट गेरवानी में प्राइवेट नौकरी करता है और शहर के धागरडीपा झाकर गली में किराये के मकान में परिवार के साथ रहता है। पीड़ित ने बताया की 4 मार्च को वह अपने परिवार के साथ अपना मूल ग्राम नंदौरखुर्द में सगाई कार्यक्रम में गया था और घर जाते समय पड़ोसियों को बताकर गया था।

कल सुबह बसंत कुमार वापस अपने किराये के मकान में पहुंचा तो देखा कि लोहे का दरवाजा नीचे से टुटा हुआ था, अनहोनी घटना की आशंका को देखते हुए उन्होंने जब घर का सामान चेक किया तो हॉल में रखी लोहे के अलमारी का लॉक टूटा हुआ है तथा गेट खुला हुआ था, अलमारी के अंदर देखा तो लॉकर भी टूटा हुआ मिला। जिसके अंदर रखा दो पर्स जिसमें से सोने-चांदी के जेवर नकदी रकम 10 हजार रूपये गायब मिले। इस तरह चोरों ने सूने मकान में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी रकम को मिलाकर कुल 95 हजार की चोरी की घटना को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

साइबर ठगों को बेचे 85 फर्जी सिम, 2 एजेंट गिरफ्तार, राजस्थान, महाराष्ट्र व यूपी से जुड़े तार

- **कबीरधाम पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। साइबर अपराध पर लगाम लगाने कबीरधाम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। फर्जी सिम कार्ड जारी करने वाले कवर्धा के दो पाइंट ऑफ सेल्स एजेंट (पीओएस) गिरफ्तार किए गए हैं। ये आरोपी साइबर ठगों को फर्जी सिम बेचकर ऑनलाइन ठगी को बढ़ावा दे रहे थे। राजस्थान, महाराष्ट्र और यूपी के साइबर ठगों से इन एजेंटों के तार जुड़े हैं।

गिरफ्तार आरोपी भूपेंद्र जोशी और दुष्यंत जोशी सगे भाई हैं। ये ग्राम इंदौरी,

थाना पिपरिया (जिला कबीरधाम) के निवासी हैं। वर्तमान में ज्योतिबा फुले वार्ड कवर्धा में रह रहे थे। जांच में सामने आया कि इन्होंने कुल 85 फर्जी सिम जारी किए। आरोपी भूपेंद्र ने 48 और दुष्यंत ने 37 सिम बेचे। इनमें से 20 सिम का इस्तेमाल देशभर में साइबर ठगी के 45 मामलों में हुआ। इन सिम कार्डों से अब तक 14,18785 रुपए की ठगी हो चुकी है। आईजी दीपक कुमार झा के निर्देश पर साइबर सेल की विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4), 61(2) और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) के तहत एफआईआर दर्ज किया है।

मामले की जांच में संगठित साइबर ठगी उजागर हो गई एनसीसीआरपी और समन्वय पोर्टल के जरिए साइबर अपराधों की जांच में बड़ा खुलासा हुआ। कबीरधाम जिले से संचालित कुछ एजेंट बड़ी संख्या में फर्जी सिम कार्ड जारी कर रहे थे। इनका इस्तेमाल बैंकिंग धोखाधड़ी, ऑनलाइन ठगी, फिशिंग और सोशल मीडिया ब्लैकमेलिंग में हो रहा था। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया। आरोपी फर्जी दस्तावेज के जरिए सिम जारी कर साइबर अपराधियों को बेचते थे।

आधार, पैन या अन्य सरकारी दस्तावेज किसी अनजान व्यक्ति को न दें। 6 अपने आधार से लिंक मोबाइल नंबरों की नियमित जांच करें। 6 अगर संदेह हो कि आपके नाम पर फर्जी सिम जारी हुआ है, तो तुरंत साइबर सेल में शिकायत करें। 6 हेल्पलाइन नंबर की लें मदद। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर करें। किसी भी ठगी की सूचना हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर ने बताया कि दोनों आरोपी कबीरधाम के अलग- अलग बाजारों में जाकर लोगों के नाम पर सिम बेचते थे। जब कोई ग्राहक सिम कार्ड लेने आता, तो वे एक ही नाम पर दो सिम जारी कर लेते। एक सिम ग्राहक को देते और दूसरा फर्जी सिम अपने पास रखते थे। बाद में ये सिम साइबर अपराधियों को बेच दिए जाते। फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने के एवज में ये पीओएस एजेंट 500 से 1000 रुपए कमीशन लेते थे।

बड़ी साजिश का पर्दाफाश होने के बाद सभी नंबर बंद कराए पुलिस जांच में सामने आया कि 85 मोबाइल नंबरों के कॉल डाटा रिकॉर्ड से सभी छत्तीसगढ़ सर्किल में सक्रिय हुए थे। लेकिन इनका इस्तेमाल उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और झारखंड में साइबर ठग कर रहे थे। एक ही टावर लोकेशन से इन सिम कार्डों की सक्रियता मिली, जिससे यह एक बड़े साइबर अपराध नेटवर्क का हिस्सा साबित हुआ। भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय ने इन 85 नंबरों को साइबर अपराध में लिप्त पाते हुए सेवा प्रदाता कंपनियों को नोटिस देकर बंद करवा दिया।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950